NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance
specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
लखनऊ से प्रकाशित
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com

वर्ष: 13 अंक: 267 लखनऊ, रविवार 12 मई 2024 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

कन्नौज के इत्र में बदबू फैलाती थी सपा – मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

संवाददाता।

कन्नौज/लखनऊ मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को कन्नौज में अखिलेश यादव को खूब खरी सुनाई। बोले कि वे कन्नौज से चुनाव इसलिए लड़ रहे हैं कि इंडी गठबंधन को यहां प्रत्याशी नहीं मिल रहा था। पहले को टिकट दिया, फिर उसका टिकट काट दिया। दूसरे को दिया तो वह मैदान छोड़कर भाग गया। तीसरे की घोषणा की तो वह मना कर दिया। जब कोई नहीं मिला तो सपा अध्यक्ष कह रहे हैं कि सेवा करना चाहता हूं। जब मौका था, तब कन्नौज के इत्र में बदबू फैलाने का काम कर रहे थे। हर दूसरे दिन यूपी में दंगा कराते थे। इनके शासन में बेटियों–व्यापारियों की सुरक्षा से खिलवाड़ होता था। गरीबों के हकों पर डकैती पड़ती थी। मुख्यमंत्री आवास बुलाकर दंगाइयों का महिमामंडन करते थे, लेकिन अब नए भारत का नया उप्र दंगाइयों व कर्फ्यू लगाने वालों से कैसे निपटता है, यह आप भी देख रहे होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को करिया झाला का मैदान झींझक, रसूलाबाद में आयोजित जनसभा में अपनी बातें रखीं। उन्होंने कन्नौज के सांसद व 2024 लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा

प्रत्याशी सुब्रत पाठक को फिर से दिल्ली भेजने की अपील की। मुख्यमंत्री ने आमजन से आह्वान किया कि घर–घर जाकर कहिए कि हमें रामभक्त चाहिए, रामद्रोही नहीं। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि नए भारत में सुरक्षा, गरीब कल्याण, विकास, विरासत और आस्था का सम्मान है। सपा रामभक्तों पर गोली चलाती थी, आतंकियों के मुकदमे वापस लेती थी और भाजपा राम मंदिर बनवाती है। आपने वोट देकर भारतीय जनता पार्टी की दिल्ली व लखनऊ सरकार को चुना है, इसलिए आपके योगदान की बदौलत अयोध्या में 500 वर्ष के बाद भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ है। प्रभु ने इस अंतराल के बाद अपनी जन्मभूमि पर होली खेली, जन्मोत्सव मनाया और उनका सूर्य तिलक भी हुआ। नई अयोध्या के दर्शन कर यह लोक धन्य हुआ। पूर्वजों की आस और संकल्प को हमने अपनी आंखों के सामने पूरा होते भी देख लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नया भारत केवल बोलता ही नहीं,

सियासी पिकनिक मनाने आने वाले गांधी परिवार की अबकी बार रायबरेली से छुट्टी होगी -बृजेश पाठक

संवाददाता।

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने शनिवार को रायबरेली में भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह के समर्थन में रिफॉर्म क्लब में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि रायबरेली की जनता यहाँ पिकनिक और पर्यटन के लिए आने वाले लोगों के लिए अपने दरवाजे बंद कर देगी। सियासी पिकनिक मनाने आने वाले गांधी परिवार की अबकी बार रायबरेली से छुट्टी होगी। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि पिछले चुनाव में राहुल गांधी अमेठी से हारे तो वायनाड चले गये। इस बार उन्हें वहां

भी हार का अंदेशा हुआ तो वे अब रायबरेली आकर यहां अपने पूर्वजों की याद दिलाकर वोट मांग रहे हैं। जनता सब जानती है, जो राहुल पांच साल तक न अमेठी आये और न रायबरेली। अब जनता इनके झाँसे में नहीं आएगी। अबकी बार मोदी जी की गारंटी ही चलेगी। कहा कि, अहंकारी गठबंधन के वे लोग 12 लाख करोड़ रुपये के घोटालों और भ्रष्टाचार में शामिल हैं। सभी भ्रष्टाचारी आपस में मिलकर रैली निकाल रहे हैं, भ्रष्टाचारियों के लिए मौन व्रत रख रहे हैं। मोदी जी अपनी बात पर कायम हैं। भ्रष्टाचारियों पर लगातार कार्रवाई हो रही है तो ये सभी एक जुट होकर अपने आपको बचाने के लिए सत्ता में आने का प्रयास कर रहे हैं। राहुल जी बेल पर हैं,

सीएम आवास पर आप विधायकों के साथ बैठक करेंगे केजरीवाल, जानिए क्या होगा एजेंडा

एजेंसी।

नई दिल्ली घटनाक्रम के बारे में विस्तार से बताते हुए पार्टी सूत्रों ने कहा कि कल की मुख्य बैठक दिल्ली में 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनावों पर विचार–विमर्श पर केंद्रित होगी।

दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में तिहाड़ जेल से अंतरिम जमानत पर रिहाई के बाद, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के विधायकों के साथ बैठक बुलाने के लिए तैयार हैं। सिविल लाइंस स्थित मुख्यमंत्री के आवास पर होने वाली यह बैठक केजरीवाल की रिहाई के बाद से सभी 62 आप विधायकों की केजरीवाल के साथ पहली मीटिंग

होगी। घटनाक्रम के बारे में विस्तार से बताते हुए पार्टी सूत्रों ने कहा कि कल की मुख्य बैठक दिल्ली में 25 मई को होने वाले लोकसभा चुनावों पर विचार–विमर्श पर केंद्रित होगी। सुप्रीम कोर्ट ने 10 मई को अंतरिम जमानत दे दी थी। अरविंद केजरीवाल चल रहे लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार करेंगे। आप नेताओं की रिहाई के बाद राजधानी में आप और भाजपा के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। अपनी रिहाई के बाद अपनी पहली प्रेस कॉन्फ्रेंस में दिल्ली के मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा पर श्आपश को कुचलने और पार्टी के चार नेताओं को एक साथ जेल भेजने की इच्छा रखनेश के लिए आलोचना की। पीएम मोदी को तानाशाह कहते हुए आप सुप्रीमो ने आगे कहा कि अगर बीजेपी सत्ता में लौटी तो सभी विपक्षी नेताओं को जेल भेजा जाएगा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को गिरफ्तार करके उन्होंने संदेश दिया है कि अगर केजरीवाल को गिरफ्तार किया गया तो वे किसी को भी गिरफ्तार करेंगे। इस मिशन का नाम वन नेशन, वन लीडरश है।

केजरीवाल के आरोपों पर बीजेपी का पलटवार, सुधांशु त्रिवेदी

एजेंसी।

नई दिल्ली अब इसी को लेकर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि अरविंद केजरीवाल बाहर आ गए हैं और जश्न मना रहे हैं। उन्होंने कहा, केजरीवाल आखिरकार लालू प्रसाद यादव, जयललिता और शिभू सोरेन की तरह श्जेल रिटर्न क्लबश का हिस्सा बन गये हैं।आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता अरविंद केजरीवाल ने आज भाजपा पर एक राष्ट्र एक नेता के विचार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया। तिहाड़ से निकलने के बाद नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में अरविंद केजरीवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कई बड़े गंभीर आरोप लगाए। अब इसी को लेकर भाजपा की ओर से पलटवार किया गया है। बीजेपी नेता सुधांशु त्रिवेदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि अरविंद केजरीवाल बाहर आ गए हैं और जश्न मना रहे हैं। उन्होंने कहा, केजरीवाल आखिरकार लालू प्रसाद यादव, जयललिता और शिभू सोरेन की तरह श्जेल रिटर्न क्लबश का हिस्सा बन गये हैं। केजरीवाल पर हमला बोलते हुए त्रिवेदी ने कहा कि उन्होंने 20 साल आगे की बात की और 10 साल में उनकी स्थिति का क्या हुआ। 10 साल पहले, उन्होंने (अरविंद केजरीवाल) कहा था कि मैं राजनीति में नहीं आऊंगा, मैं कांग्रेस से समर्थन नहीं लूंगा, मैं कार, बंगला या सुरक्षा नहीं लूंगा.. 10 साल में आप कितने बदल गए? उन्होंने कहा कि 20 साल बाद आपका अस्तित्व बचेगा भी या नहीं?...10 साल में उन्होंने दिखा दिया कि नई राजनीति का प्रयोग कितना खतरनाक और विकृत हो सकता है...इसलिए भारत आज जिस मुकाम पर खड़ा है, उसका समय अभी नहीं आया है किसी भी नई राजनीति के साथ प्रयोग करें। सुधांशु त्रिवेदी ने साफ तौर पर कहा कि अब समय आ गया है कि परखे हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में एक मजबूत राष्ट्रवादी सरकार लाई जाए। उन्होंने कहा कि हम एक बात कहना चाहेंगे कि ये उनकी शराब का असर था या वो जिस जगह पर गए थे।

रामद्रोही सिर्फ परिवार के लिये राजनीति करते हैं –मुख्यमंत्री योगी

उन्नाव लखनऊ । राम भक्तों की राजनीति राष्ट्र के लिए होती है। वहीं रामद्रोहियों की राजनीति परिवार के लिए होती है। वह अपने परिवार से ज्यादा कुछ नहीं सोचते हैं। समाजवादी पार्टी ने अपने ही परिवार के लोगों को टिकट दिया है। वर्तमान में यह पांच सीटों पर लड़ रहे हैं। अभी इनके बच्चे और नाती पोते होने दीजिये, वह भी चुनाव लड़ेंगे। ऐसे लोगों की वजह से ही विकास कार्य ठप पड़ते हैं। देश और प्रदेश के सामने पहचान का संकट खड़ा होता है। सुरक्षा खतरे में पड़ती है और माफिया हावी होते हैं। यह जनता का खून चूसते हैं और बेटी–व्यापारी असुरक्षित होते हैं। वहीं जब राजनीति राष्ट्र के लिए होती है तो दुनिया में देश का सम्मान होता है। देश की सीमाएं सुरक्षित होती हैं और विकास के बड़े–बड़े कार्य होते हैं। गरीब कल्याणकारी योजनाओं का लाभ बिना भेदभाव के जनता जनार्दन को प्राप्त होता है। ये बातें मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उन्नाव लोकसभा क्षेत्र में जनसभा को संबोधित करते हुए कही। इस दौरान उन्होंने लोकसभा प्रत्याशी और सांसद साक्षी महाराज के पक्ष में वोट की अपील की। कांग्रेस के बुद्धिदाता कहते हैं देश में नहीं बनना चाहिये था राम मंदिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने शासनकाल में आतंकवादियों के मुकदमे वापस ले रही थी। इन लोगों ने अयोध्या, रामपुर में सीआरपीएफ कैंप, काशी में संकट मोचन मंदिर, लखनऊ, अयोध्या और वाराणसी की कचहरी पर हमला करने वाले आतंकियों के मुकदमों को वापस लेने का प्रयास किया था। इस पर न्यायालय ने तल्ख टिप्पणी करते हुए कहा था कि आज आप इनके मुकदमे वापस लेने की बात कह रहे हैं और कल इन्हे पद्म पुरस्कार से नवाजेंगे। इसके बाद न्यायालय ने समाजवादी पार्टी को रोका था। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि इस चुनाव में एक तरफ राम भक्त हैं और दूसरी तरफ रामद्रोही। रामद्रोहियों के स्वर भी आपको सुनाई दे रहे होंगे। इनमें कोई कहता है कि राम मंदिर देश के अंदर नहीं बनना चाहिये था। यह कांग्रेस के बुद्धि दाता हैं। रामद्रोहियों की जमानत करानी है जब्त मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समाजवादी पार्टी कहती है राम मंदिर बेकार बना है। यह बात ये क्या किसी मस्जिद के लिए कह सकते हैं। यह ऐसा नहीं कर सकते हैं क्योंकि इनमें इतनी हिम्मत ही नहीं है। राम मंदिर पर उंगली उठाने वाले ये रामद्रोही हैं। इन लोगों ने राम भक्तों पर भी गोलियां चलाई थी। इनकी यारी भी माफियाओं से है। यह इसके इतर सोचते ही नहीं हैं। यह हमारे महापुरुषों और आराध्य देवों का अपमान करते हैं। वहीं आज प्रदेश में माफियाओं और अपराधियों के खिलाफ

ताबड़तोड़ कार्रवाई हो रही है। यही वजह है कि आज प्रदेश में दंगे नहीं होते हैं, कहीं कर्फ्यू नहीं लगता है। आज अयोध्या में दीपोत्सव, मथुरा वृंदावन में रंगोत्सव, काशी में देव दीपावली धूमधाम से मनायी जा रही है। वहीं कर्फ्यू की जगह भव्य कावड़ यात्रा निकाली जा रही है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि लोकसभा चुनाव के चतुर्थ चरण के तहत उन्नाव में आज शाम को बंद प्रचार बंद हो जाएंगे। ऐसे में आपके पास कल तक सोचने का समय है। यह समय देश के लिए दीजिए ताकि मोदी सरकार को वोट दे करके देश को आत्मनिर्भर और विकसित बनाने में सहयोगी बन सकें। वहीं रामद्रोहियों की जमानत जब्त करानी है ताकि गरीबों के हक पर डाका न डाला जा सके। कार्यक्रम में विधान परिषद सदस्य राम चंद्र प्रधान, विधायक आशुतोष शुक्ला, पंकज गुप्ता, ब्रजेश रावत, जिला अध्यक्ष अवधेश कटियार, जिला पंचायत अध्यक्ष सकुन सिंह, लोकसभा प्रभारी सौरभ मिश्रा आदि उपस्थित थे।

ये चुनाव संविधान और समाजवादी मूल्यों की रक्षा-संरक्षा का चुनाव है - अखिलेश यादव

लखनऊ(आरएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सभी मतदाताओं से समाजवादी पार्टी इंडिया गठबंधन को बहुमत से जिताने और केन्द्र में सरकार बदलने की अपील की। उन्होंने कहा है कि 2024 का लोकसभा चुनाव एक ऐतिहासिक चुनाव है। ये चुनाव संविधान और समाजवादी मूल्यों की रक्षा–संरक्षा का चुनाव है। इसीलिए इस चुनाव में सभी से अतिरिक्त सक्रिय सहयोग की अपेक्षा और आग्रह है।

अखिलेश यादव ने समाजवादी पार्टी के सभी ग्राम प्रधानों, बीडीसी, जिला पंचायत सदस्यों, नगरीय निकाय के सभासदों, ब्लॉक प्रमुखों, जिला पंचायत अध्यक्षों, निकायों के अध्यक्षों, पूर्व विधायक, सांसद, वर्तमान विधायक, सांसद एवं प्रदेश, मंडल, जिला, विधानसभा,

सेक्टर, बूथ की कार्यकारिणी एवं विभिन्न संगठनों के समस्त पदाधिकारियों, सदस्यों, कार्यकर्ताओं, समर्थकों और मतदाताओं से अपील करते हुए कहा है कि वह आगामी चरणों में भी इंडिया गठबंधन के सभी प्रत्याशियों को जिताने में और भी अधिक संकल्प के साथ पूर्णतः समर्पित होकर, पिछले चरणों से भी कहीं अधिक सहयोग दें।अखिलेश यादव ने कहा कि 'इंडिया गठबंधन' की जीत समाजवादी सिद्धांतों के लिए अब तक किये गये आपके संघर्षों की जीत होगी और अंबेडकर जी, लोहिया जी, जनेश्वर मिश्र जी, नेता जी जैसे सामाजिक न्याय के लिए जीवन न्योछावर कर देनेवाले अन्य संविधान–सेनानियों के प्रति आपकी सच्ची श्रद्धांजलि भी।कहा कि आप देश और समाज के उत्थान के लिए बाकी चार चरणों में और भी अधिक जोश के साथ अपने परिवारों को लेकर घरों से निकलिए, साथ ही औरों को भी निकालिए और ये सोच कर प्रचार और मतदान करें और करवाएं कि 'अभी नहीं, तो कभी नहीं'। पिछले तीन चरणों में आपने 'इंडिया गठबंधन' को जिताने वाला मतदान करके एक बड़ी जीत की नींव रख दी है, उसी मजबूत नींव पर आगामी चरणों में 'इंडिया गठबंधन' की सरकार की इमारत बुलंद होने जा रही है। अखिलेश यादव ने कहा कि ये चुनाव संविधान, समाजवादी मूल्यों, आरक्षण और मान–सम्मान–स्वाभिमान का एक नया 'राष्ट्रीय आंदोलन' है। देश और समाज आपको पुकार रहा है,।

केजरीवाल के बयान पर अमित शाह का पलटवार, बोले– कोई भ्रम नहीं, देश का नेतृत्व करते रहेंगे पीएम मोदी

एजेंसी

नई दिल्ली अमित शाह ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ष्मैं अरविंद केजरीवाल एंड कंपनी और पूरे इंडिया गठबंधन से यह कहना चाहता हूं कि आपको मोदीजी के 75 वर्ष के होने पर खुश होने की जरूरत नहीं है। यह भाजपा के संविधान में कहीं भी नहीं लिखा है। यह कहते हुए कि नरेंद्र मोदी एनडीए के तीसरे कार्यकाल में भी प्रधानमंत्री बने रहेंगे, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यह स्पष्ट करने की कोशिश की कि भाजपा के संविधान में ऐसा कोई नियम नहीं है कि 75 वर्ष की आयु तक पहुंचने वाले नेता को पद नहीं संभालना चाहिए। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के उस बयान पर टिप्पणी मांगी गई कि पीएम मोदी 17 सितंबर को

75 साल के हो रहे हैं और उन्होंने एक नियम बनाया है कि नेता 75 साल के बाद सेवानिवृत्त हो जाएंगे, शाह ने कहा कि मोदीजी न केवल यह कार्यकाल पूरा करने जा रहे हैं बल्कि भविष्य में भी देश का नेतृत्व करते रहेंगे। बीजेपी में कोई भ्रम नहीं है। वे भ्रम पैदा करना चाहते हैं। अमित शाह ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ष्मैं अरविंद केजरीवाल एंड कंपनी और पूरे इंडिया गठबंधन से यह कहना चाहता हूं कि आपको मोदीजी के 75 वर्ष के होने पर खुश होने की जरूरत नहीं है। यह भाजपा के संविधान में कहीं भी नहीं लिखा है।ष अमित शाह ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी की इस टिप्पणी पर आलोचना की कि कोई नहीं जानता कि सर्जिकल स्ट्राइक हुई थी या नहीं। उन्होंने कहा, ष्अल्पसंख्यक वोट बैंक के लिए उनका लालच इतना बढ़ गया है कि वे सर्जिकल स्ट्राइक की आलोचना कर रहे हैं।भाजपा प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने भाजपा पर तीखा निशाना साधने वाले आम आदमी पार्टी (आप) नेता केजरीवाल पर पलटवार किया और चुटकी लेते हुए कहा कि केजरीवाल उनकी पार्टी (भाजपा) की उत्तराधिकार योजना के बारे में बात कर रहे हैं, लेकिन धनशोधन के आरोप में जेल जाने के बावजूद उन्हें आप के किसी भी सहयोगी पर भरोसा नहीं हुआ जो उनका उत्तराधिकारी बन सके। केजरीवाल द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर तानाशाही का आरोप लगाने पर त्रिवेदी ने कहा कि यह वैसा ही कुछ है कि 'सूप बोले तो बोले चलनी भी बोले जिसमें बहत्तर छेद है'।

दयाशंकर सिंह ने साधा अखिलेश और राहुल पर निशाना, 80 सीटों पर बीजेपी की जीत का दावा

संवाददाता।

लखनऊ उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि 2019 में भी राहुल और अखिलेश साथ आए थे। तब मोदी लहर को रोकने में वे नाकामयाब हुए थे और इस बार तो मोदी की सुनामी है जिसमें दोनों ही लोग बह जाएंगे। आकाश आनंद को हटाने को लेकर उन्होंने कहा कि यह बसपा का आंतरिक मामला है।चुनाव यात्रा के दौरान प्रभासाक्षी की टीम लखनऊ पहुंची। जहां हमारे एडिटर नीरज कुमार दुबे ने उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दयाशंकर सिंह से बात की और राज्य का चुनावी महाजन माहौल समझा। दयाशंकर सिंह ने कहा कि 2019 में भी राहुल और अखिलेश साथ आए थे। तब मोदी लहर को रोकने में वे नाकामयाब हुए थे और इस बार तो मोदी की सुनामी है जिसमें दोनों ही लोग बह जाएंगे। आकाश आनंद को बसपा कोऑर्डिनेटर के पद से हटाने को लेकर उन्होंने कहा कि यह उनकी पार्टी का आंतरिक मामला है जिससे भाजपा का कोई लेना देना नहीं है। शुरुआती चरणों में मतदान को लेकर उन्होंने कहा की मतदाताओं का रुझान हमारे पक्ष में है और भारतीय जनता पार्टी प्रदेश की सभी 80 सीटों पर जीत दर्ज करेगी। सिंह ने कहा कि हार के डर से पार्टियां बार–बार अपने प्रत्याशी बदल रहे हैं क्योंकि मोदी की सुनामी के सामने कोई चुनाव हारना नहीं चाहता है। इंडिया गठबंधन को लेकर उन्होंने कहा कि यह कि यह भ्रष्टाचारियों का गठबंधन है। मंत्री ने कहा कि इस बार हार के डर से सोनिया गांधी भी रायबरेली छोड़कर भाग गई हैं और अंत में राहुल गांधी ने पर्चा भरा है लेकिन वे भी चुनाव हार जाएंगे।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 12 मई 2024
sheelshukla100@gmail.com

सपा, बसपा व कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की

लखनऊ (आरएनएस)। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक के समक्ष शनिवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय पर सपा, बसपा व कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश सरकार में पूर्व मंत्री मतेश सोनकर (कौशाम्बी), सपा से पूर्व सदस्य विधान परिषद संजय कुमार मिश्रा (शाहजहांपुर), सपा से पूर्व लोकसभा प्रत्याशी नथुनी कुशवाहा (कुशीनगर), सपा के प्रदेश सचिव एवं प्रवक्ता प्रदीप सिंह बब्बू (लखनऊ), प्रसपा के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता, सपा लोहिया वाहिनी के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष डा. कुंवर हर्षित राजवीर (लखनऊ), बालाजी मंदिर नेवादा नेरी मंदिर के महंत अशोकानंद गिरी महाराज (सीतापुर), प्रदेश अध्यक्ष माध्यमिक वित्तविहीन शिक्षक संघ सुश्री रेनू मिश्रा (शाहजहांपुर), कांग्रेस के पूर्व प्रदेश प्रवक्ता मोहम्मद जीशान हैदर (लखनऊ) को समर्थकों के साथ भाजपा परिवार में शामिल किया। इसके साथ ही नगर पालिका अध्यक्ष चन्द्र प्रकाश वर्मा (अम्बेडकरनगर), नगर पालिका अध्यक्ष पुष्पू जायसवाल (सीतापुर), नगर पंचायत अध्यक्ष राम आशीष (आजमगढ़), ब्लाक प्रमुख श्री राजदीप सिंह बुन्देला (ललितपुर), बसपा से पूर्व विधानसभा प्रत्याशी श्री आशुतोष त्रिपाठी (प्रतापगढ़), बसपा से पूर्व विधानसभा प्रत्याशी डॉ. अवनीश कुमार सिंह (सुल्तानपुर), सपा से पूर्व विधानसभा प्रत्याशी श्री चन्द्राबली पटेल (कौशाम्बी), बसपा से पूर्व जिलाध्यक्ष श्री प्रभुदयाल निषाद (बांदा), बसपा के उत्तर प्रदेश आर्टिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अंजनी उपाध्याय (बलिया), समाजवादी युवजन सभा के प्रदेश उपाध्यक्ष डा. संदीप सिंह (अम्बेडकरनगर), राष्ट्रीय महासचिव आल इण्डिया पसमान्दा मुस्लिम महाज एवं पूर्व जिलाध्यक्ष प्रदेश सचिव लोहिया वाहिनी डा. मोहम्मद हारून राइन (लखनऊ), जिला अध्यक्ष आल इण्डिया पसमान्दा मुस्लिम समाज अनवर अली (लखनऊ), सपा नेता व प्रदेश प्रवक्ता मोमिन अंसार सभा, हलवाई समाज कदीम हलवाई (लखनऊ), पूर्व प्रदेश सचिव समाजवादी युवजन सभा श्री जितेन्द्र सिंह (लखनऊ), पूर्व सदस्य राष्ट्रीय कार्यकरिणी सपा छात्र सभा श्री दिव्य प्रकाश तिवारी (लखनऊ), प्रदेश उपाध्यक्ष अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा श्री प्रमोद मिश्रा (लखनऊ), पूर्व प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी युवजन महासभा अरूण सिंह (लखनऊ), सपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष विशाल पाण्डेय (लखनऊ) ने बड़ी संख्या में अपने समर्थको के साथ भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

प्रेम प्रसंग के चलते संदिग्ध परिस्थितियों में सड़क किनारे झांड़ी में युवक का पड़ा मिला शव।

संवाददाता।

बाराबंकी के सफदरगंज थाना क्षेत्र में सैदनपुर खानपुर से रामपुर की ओर जाने वाली सड़क के किनारे एक 23 वर्षीय युवक का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया । सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंची और शव को कब्जे में लेकर शव की पहचान करने में जुट गई। शव की पहचान अलाउद्दीन पुत्र मोहम्मद नसीर निवासी पंजरौली थाना बदोसरांय के रूप में हुई है। इसके बाद मृतक के परिजनों को सूचना दी गई मौके पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि मेरा भाई शाम लगभग 5रू00 बजे के बीच गाड़ी से दरियाबाद जाने की बात कह कर घर से निकला था।जो डीजे बजाने का काम करता था। परिजनों का यह आरोप है की जागेश्वर की पुत्री रूही उर्फ मीना नाम की लड़की मेरे भाई को फोन पर लगातार परेशान कर रही थी जो सैदनपुर औरेला थाना सफदरगंज की निवासी है। जबकि अलाउद्दीन शादीशुदा था जिसकी पत्नी का नाम गुलशन बानो है और 1 साल का बेटा अल्ताफ है। पत्नी गुलशन बानो का कहना है कि रूही लगातार फोन के माध्यम से अलाउद्दीन को परेशान कर रही थी। जिसको लेकर कुछ दिन पूर्व रूही का भाई सनी बाबू ने अलाउद्दीन को जान से मारने की धमकी दी थी जलालुद्दीन के भाई का कहना है कि उसी के भाई ने ही हत्या कर शव को झांड़ी में फेंक दिया थाना प्रभारी सुधीर कुमार सिंह द्वारा एफआईआर दर्ज कर ली गई है पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

हयात' 'युनानी मेडिकल कालेज में बेसिक लाइफ सपोर्ट आयोजित कराई गई वर्कशाप'

लखनऊ(आरएनएस), हयात युनानी मेडिकल कॉलेज – रिसर्च सेंटर में 11 उंल 2024 को ठरै बेसिक लाइफ सपोर्ट के ऊपर एक वर्कशॉप का आयोजन किया गया इस वर्कशाप का आयोजन डिपार्मेंट आफ फिजियोलॉजी की ओर से किया गया। बेसिक लाइफ सपोर्ट में बताया गया ब्व् के बारे में 'तजपिबपंस तमेचपतंजपवद के बारे में और बीवापदह उंदंहमउमदज से कैसे बचे इन सब चीजों को लेकर वर्कशॉप का आयोजन किया गया। इस वर्कशाप का आयोजन प्रोफेसर सय्यद मोहम्मद इरफान भ्व् डिपार्टमेंट ऑफ फिजियोलॉजी की निगहबानी में किया गया और ठन्डै 2023 बैच के बच्चों ने भी अपना योगदान इसमें दिया जिनमें हुडा रशीद, अब्बास मुश्ताक, मोहम्मद अली शाहिद, मोहम्मद आदिल, मोहम्मद आतिफ, अनंत राणा सन इस्लाम मोहम्मद फैसल और भी सारे बच्चों ने इसमें अपना योगदान दिया। अंत में क्पतमबजवत मोहम्मद आरिफ साहब ने और प्रिंसिपल प्रोफेसर आजम कुरेशी मैं ने अपने–अपने अपने विचार व्यक्त किया और इस प्रोग्राम में प्रोफेसर जमाल अख्तर साहब की भी निगाह बनी रही जो की भ्व् डिपार्मेंट आफ एनाटॉमी है। इस वर्कशॉप को कामयाब बनाने में ठन्डै 2023 पूरे बैच का सहयोग रहा।

मातृ दिवस पर मां की महिमा का किया बखान, मां के समान दूजा कोई नहीं

प्रतापगढ़ (आरएनएस)। शहर के वी एस मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शनिवार को मातृ दिवस मनाया गया। विद्यालय में सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। शुभारंभ विद्यालय की निदेशिका अलका सिंह ने किया। मां की ममता व त्याग दर्शाने हेतु विद्यालय की शिक्षिकाओं ने कार्ड मेकिंग व पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की। जिसमें नौनिहालों ने मातृत्व–प्रेम की अद्भुत छवि दर्शाई। मदर्स डे पर विद्यालय की शिक्षिका वंदना प्रजापति, ममता सिंह, निष्ठा रावत, दीपांजलि सिंह, अनामिका सिंह, आफरीन बानो, श्वेता शुक्ला, नैना पाठक आदि ने छात्र छात्राओं को मां के त्याग के बारे में बताया। मातृ शक्ति की वत्सल्यता को दर्शाते हुए गीत, कविता, भाषण प्रस्तुत करके सभी को भाव–विह्वल कर दिया। विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ0 इमरान नासिर ने विद्यार्थियों से मां का सम्मान करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि बच्चों का जीवन बनाने में मां का बहुत बड़ा योगदान होता है। निदेशक अलका सिंह और राकेश सिंह ने बच्चों को प्रोत्साहित किया। मातृशक्ति रूपी शिक्षिकाओं को गुलदस्ता भेंट किया। कहा कि उनके प्रति जितना सम्मान, प्यार और कृतज्ञता व्यक्त की जाए उतना ही कम है। निदेशिका अलका सिंह ने वात्सल्य और त्याग का दिन मातृ दिवस पर शुभकामनाएं दी। बधाई देते हुए मां के महत्व के बारे बताया। उन्होंने कहा कि मां करुणा, वात्सल्य और त्याग की मूर्ति हैं। दुनिया में मां के समान कोई रक्षक नहीं है। उनके समान कोई प्रिय वस्तु भी नहीं है इसलिए हम सभी को मां का विशेष सम्मान करना चाहिए।

पक्षियों का दाना और पानी के लिए बच्चा बैंक ने बांटे बर्तन

प्रतापगढ़ (आरएनएस)। भीषण गर्मी में पक्षियों का खयाल बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप, बीबीएफजी के नौनिहाल रखेंगे। ग्रुप की तरफ से कंपोजिट स्कूल जोगापुर में बच्चों को मिट्टी से बने बर्तन बांटे गए। जिसमें पक्षियों के लिए अनाज के दाने पर पानी डालकर उन्हें स्कूल में खिड़की, पेड़ और दीवारों के पास रख दिया। कुछ समय बाद चिड़िया दाने चुगने आई यह देखकर बच्चे खुशी से उछल पड़े। घर के लिए भी बर्तन बच्चों को दिया गया। ताकि वह घरों पर भी इस तरह से बेजुबान पशु पक्षियों की मदद कर सकें। गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी बच्चा बैंक फ्रेंड्स ग्रुप की ओर से चिड़ियों के खाने और पीने के पात्र का वितरण का कार्यक्रम चलाया जा रहा है।

माइक्रो आब्जर्वर संवदेनशील व अति संवेदनशील बूथों पर रखें पैनी नजर–प्रेक्षक

प्रतापगढ़ (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव को सम्पन्न कराने के लिए शनिवार को माइक्रो आब्जर्वर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन विकास भवन सभागार में किया गया आयोग के प्रेक्षक पवन कुमार मालापति ने कहा कि सभी माइक्रो आब्जर्वर आयोग के दिशा निर्देश के अनुसार ही कार्य करेगें। सभी की तैनाती संवदेनशील, अति संवेदनशील बूथों पर की जा रही है। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाये जाने पर हमे सीधे रिपोर्ट करेगें। मतदान समाप्ति पर सभी लोग महुली मण्डी में अपनी रिपोर्ट हमें प्रस्तुत करेगें। स्क्रूटनी के दिन सभी माइक्रो आब्जर्वर नवीन महुली मण्डी में उपस्थित रहे। उन्होने मौजूद सभी माइक्रो आब्जर्वर से कहा कि लोकसभा चुनाव में संवेदनशील एवं अति संवेदनशील बूथों पर पैनी नजर रखें। इस कार्य मे लापरवाही न बरतें। सीडीओ नवनीत सेहारा ने भी शांतिपूर्ण मतदान के लिए निर्देश दिए। पावर प्वाइन्ट प्रेजेन्टेशन के जरिये डा0 मो0 अनीस, डा0 विन्ध्याचल सिंह और एआरपी धर्मेन्द्र ओझा ने विस्तारपूर्वक ट्रेनिंग दी। इस अवसर पर डीडीओ राकेश प्रसाद, प्राचार्य अफीफ कोठी मंजू वर्मा, रूपेश कुमार, पूनम केसरवानी, दिनेश शर्मा एवं प्रशिक्षु माइक्रो आब्जर्वर उपस्थित रहे।

प्रेक्षक, डीएम व एसपी ने जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ की बैठक कर दिये निर्देश

प्रतापगढ़ (आरएनएस)। जिलाधिकारी संजीव रंजन, प्रेक्षक पवन कुमार मालापति, व्यय प्रेक्षक सुब्रत धर एवं पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने पुलिस लाइन स्थित टीन सेड सभागार में जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक कर महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिये। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर विशेष नजर रखे। चुनाव को पारदर्शी ढंग से सम्पन्न करायें। जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने सेक्टर एवं जोन के बारे में विस्तृत जानकारी रखें। सम्बन्धित थानों के फोन नम्बर रख लें। जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट आपस में समन्वय बनाकर कार्य करेंगें। सभी जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने बूथों का निरीक्षण करते रहे। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल पर समय से पहुॅचे। प्रेक्षक ने कहा कि बसों में पोलिंग पार्टियों के साथ पुलिस कर्मियों की तैनाती भी देखेंगे। पुलिस बल के साथ ही पोलिंग पार्टियों की बसों को मतदान बूथों के लिये रवाना किया जाये।

काग्रेस के अंदर इतनी भी शर्म नहीं – स्वतंत्र देव सिंह

लखनऊ(आरएनएस) । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने शनिवार कहा कि कांग्रेस के अंदर इतनी भी शर्म नहीं है कि कम से कम मंदिर के बनने के बाद अयोध्या जाकर श्रीराम से माफी माँग लें। उन्होंने कहा कि भारतीय जानता पार्टी ने राम मंदिर और धारा 370 पर जो कहा वो किया। आज अयोध्या में गगनचुंबी मंदिर अपनी भव्यता की गाथा गा रहा है। आपको अच्छी तरह याद होगा कैसे कांग्रेस में राम मंदिर की राह में सालों–साल सिर्फ रोड़े अटकाए। देश की आस्था के प्रतीक प्रभु श्री राम को सुप्रीम कोर्ट में जाकर काल्पनिक बताया। झाँसी के मऊरानीपुर और ललितपुर के मेहरौनी से लोकसभा प्रत्याशी अनुराग शर्मा के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित किया। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि कांग्रेस के पास ना तो श्री राम हैं और ना ही गिनाने के लिए कोई काम है। कहा कि कॉंग्रेस और उनकें इंडी गठबंधन के ज्यादातर नेता या तो जेल मे हैं या बेल पर हैं। कांग्रेस के पास गिनाने को एक ऐसा काम नहीं है जो उन्होंने लोगों की भलाई के लिए किया हो। जल शक्ति मंत्री ने कहा कि मोदी जी अगर तीसरी बार पाँच साल माँग रहे हैं तो वह बीते दस सालों में किए गए काम के आधार पर माँग रहे हैं। हर घर बिजली, हर घर नल से जल, राम मंदिर, धारा 370 की समाप्ति, देश भर में हाईवे का जाल बिछाना, दुनिया भर में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ाना, ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां मोदी के नेतृत्व में देश ने प्रगति न की हो। कहा कि बूथ तक जाने में आलस नहीं करना है. उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं और बूथ अध्यक्षों से कहा कि एक भी वोटर छूटना नहीं चाहिए। सबको बूथ तक पहुँचाने की जिम्मेदारी हम कार्यकर्ताओं की है। बूथ तक जाना है और इवीएम पर कमल के निशान पर वोट देकर भारतीय जनता पार्टी की जीत सुनिश्चित करनी है।

इंडी गठबंधन सत्ता में आया तो फिर से लौट आएगा आतंकवाद का दौर – योगी आदित्यनाथ

कानपुर लखनऊ (आरएनएस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि अगर इंडी गठबंधन सत्ता में आता है तो देश में एक बार फिर आतंकवाद और नक्सलवाद का दौर शुरू हो जाएगा। उन्होंने कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि संविधान संशोधन का डर फैलाने वाली कांग्रेस ने सबसे पहले भारतीय संविधान में संशोधन करते हुए अभिव्यक्ति की आजादी को रौंदने का कार्य किया था। मुख्यमंत्री ने समाजवादी पार्टी पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि सपा के एजेंडे में अयोध्या का विकास नहीं, बल्कि अयोध्या में आतंकी हमला करने वाले आतंकवादियों के मुकदमे वापस लेना था। कानपुर को मिला है उद्यमिता और उर्वरता का आशीर्वाद मुख्यमंत्री योगी शनिवार को यहां छावनी विधानसभा क्षेत्र में कानपुर और अकबरपुर लोकसभा सीटों के लिए चुनावी जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां कानपुर से पार्टी प्रत्याशी रमेश अवस्थी और अकबरपुर से भाजपा प्रत्याशी देवेन्द्र सिंह भोले के लिए जनता से वोट की अपील की। उन्होंने कहा कि कानपुर को मां गंगा के आशीर्वाद से उर्वरता और उद्यमिता का वरदान मिला है। ये क्रांति धरा होने के साथ ही देश के विकास की ऊर्जा की भूमि भी है। चौथे चरण में कानपुर की जनता को निर्णय लेना है। आज पूरे देश में एक ही स्वर गूंज रहा है 'फिर एक बार मोदी सरकार और अबकी बार 400 पार'। 400 पार में कानपुर और अकबरपुर की सीटें भी शामिल होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 से पहले देश में आतंकी विस्फोट में निर्दोष लोग और जवान शहीद होते थे। अब ये नहीं हो सकता, क्योंकि मोदी सरकार ने आतंकवाद की नाभी पर प्रहार किया है। ये नया भारत छेड़ता नहीं, मगर कोई छेड़ता है तो छोड़ता भी नहीं है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि आज कानपुर में हाईवे, एक्सप्रेस वे, मेट्रो के साथ ही डिफेंस कॉरीडोर बन रहा है। नमामी गंगे के क्षेत्र में हुए कार्य का लाभ कानपुर को सर्वाधिक प्राप्त हुआ है। कानपुर के सीसामऊ और जाजमऊ में गंगा की धारा को अविरल निर्मल करने में भाजपा सरकार को सफलता मिली है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल, महापौर प्रमिला पांडेय, सांसद सत्यदेव पचौरी, अकबरपुर के सांसद और पार्टी प्रत्याशी देवेन्द्र सिंह भोले, कानपुर से भाजपा प्रत्याशी रमेश अवस्थी, विधायकगण महेश त्रिवेदी, सुरेन्द्र मैथानी, सलिल विश्नोई और अविनाश सिंह सहित अन्य गणमान्य शामिल रहे।

भारत को जाने पुस्तक का हुआ लोकार्पण

चित्रकूट(आरएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय काव्य प्रेमी मंच के तत्वावधान व तंजानिया की डा. ममता सैनी के संयोजन में शनिवार को दिल्ली में हुए कार्यक्रम में भारत को जाने पुस्तक का लोकार्पण हुआ। इसके पहले दो वर्ष पूर्व हुए आयोजन को तीन विश्व रिकार्ड भी मिले। विश्व भर से 466 सहयोगियों ने हिस्सा लिया था। जिनमे गायक, लेखक, कवि, म्यूजीशियन आदि मौजूद रहे। इस पुस्तक में भारत के सभी राज्य व केंद्र शासित प्रदेशों की हर गतिविधि को सात श्रेणियों में विभाजित कर दोहा, चौपाई, गीत व राज्य गीत को समाहित किया गया है। इस ग्रंथ के लोकार्पण के दौरान संरक्षक राकेश सैनी तंजानिया, मुख्य अतिथि हास्य कवि सुरेन्द्र शर्मा, संपादक डा. किरण, न्यूज एंकर पंकज, आरएसएस के इंद्रेश आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जनपद से राजकुमार शर्मा उच्च प्राथमिक विद्यालय चित्रवार मऊ और शहनाज बानो उच्च प्राथमिक विद्यालय भौंरी को सम्मानित किया गया है।

लापता युवक का पहाड़ में मिला शव

चित्रकूट(आरएनएस)। चार दिन पूर्व घर से निकले युवक का पहाड़ में शव मिलने से परिजनों में शोक छा गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है।

युवक के शव मिलने की घटना भरतकूप थाना अंतर्गत हरिहरपुर के मजरा मवई पहाड़ की है। बताया गया कि हरिहरपुर निवासी जगदीश (46) पुत्र लोटन विश्वकर्मा बीती सात मई को शौच के लिए घर से निकला था। वापस न आने पर परिजन खोजबीन करते रहे, लेकिन कुछ पता नहीं चला। शनिवार को मवई पहाड़ में शव मिलने की सूचना पर परिजनों ने जाकर शिनाख्त की। पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया है। परिजनों ने बताया कि बीते चार वर्षो से मानसिक संतुलन ठीक नहीं था। मृतक के तीन पुत्री, दो पुत्र, पत्नी प्रबीना रो–रोकर बेहाल है। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। मृतक छह भाईयों में दूसरे नंबर का था। वह राजमिस्त्री था।

बूथों में रहे मूलभूत सुविधाएं, पिंक और आदर्श बूथ सजाएं

चित्रकूट(आरएनएस)। डीएम अभिषेक आनंद की अध्यक्षता में मतदेय स्थलों पर एएमएफ से संबंधित समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। उन्होंने ने निर्वाचन में मूलभूत सुविधाओं के लिए नामित सेक्टर मजिस्ट्रेटों से तैयारी के बारे में पूछा। बीडीओ, बीईओ व एडीओ पंचायत से कहा कि बिजली, टॉयलेट, पेयजल, छाया व आवागमन में किसी प्रकार की समस्या नही होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिन बूथ पर संबंधित अधिकारियों के यहां जो कार्य अपूर्ण है उसे जल्द से जल्द कराएं। उन्होंने कहा कि जिन बूथों पर टॉयलेट का दरवाजा व अन्य मूलभूत सुविधाएं बनने से छूट गए हैं, उसे सही कराएं।

माइक्रो आब्जर्वर संवदेनशील व अति संवेदनशील बूथों पर रखें पैनी नजर–प्रेक्षक

प्रतापगढ़ (आरएनएस)। लोकसभा चुनाव को सम्पन्न कराने के लिए शनिवार को माइक्रो आब्जर्वर प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन विकास भवन सभागार में किया गया आयोग के प्रेक्षक पवन कुमार मालापति ने कहा कि सभी माइक्रो आब्जर्वर आयोग के दिशा निर्देश के अनुसार ही कार्य करेगें। सभी की तैनाती संवदेनशील, अति संवेदनशील बूथों पर की जा रही है। किसी भी प्रकार की अनियमितता पाये जाने पर हमे सीधे रिपोर्ट करेगें। मतदान समाप्ति पर सभी लोग महुली मण्डी में अपनी रिपोर्ट हमें प्रस्तुत करेगें। स्क्रूटनी के दिन सभी माइक्रो आब्जर्वर नवीन महुली मण्डी में उपस्थित रहे। उन्होने मौजूद सभी माइक्रो आब्जर्वर से कहा कि लोकसभा चुनाव में संवेदनशील एवं अति संवेदनशील बूथों पर पैनी नजर रखें। इस कार्य मे लापरवाही न बरतें। सीडीओ नवनीत सेहारा ने भी शांतिपूर्ण मतदान के लिए निर्देश दिए। पावर प्वाइन्ट प्रेजेन्टेशन के जरिये डा0 मो0 अनीस, डा0 विन्ध्याचल सिंह और एआरपी धर्मेन्द्र ओझा ने विस्तारपूर्वक ट्रेनिंग दी। इस अवसर पर डीडीओ राकेश प्रसाद, प्राचार्य अफीफ कोठी मंजू वर्मा, रूपेश कुमार, पूनम केसरवानी, दिनेश शर्मा एवं प्रशिक्षु माइक्रो आब्जर्वर उपस्थित रहे।

प्रेक्षक, डीएम व एसपी ने जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ की बैठक कर दिये निर्देश

प्रतापगढ़ (आरएनएस)। जिलाधिकारी संजीव रंजन, प्रेक्षक पवन कुमार मालापति, व्यय प्रेक्षक सुब्रत धर एवं पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल ने पुलिस लाइन स्थित टीन सेड सभागार में जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक कर महत्वपूर्ण दिशा निर्देश दिये। जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर विशेष नजर रखे। चुनाव को पारदर्शी ढंग से सम्पन्न करायें। जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने सेक्टर एवं जोन के बारे में विस्तृत जानकारी रखें। सम्बन्धित थानों के फोन नम्बर रख लें। जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट आपस में समन्वय बनाकर कार्य करेंगें। सभी जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने बूथों का निरीक्षण करते रहे। सभी सेक्टर मजिस्ट्रेट पोलिंग पार्टी रवानगी स्थल पर समय से पहुॅचे।

क्लस्टर इंचार्ज ने कार्यकर्ताओं से किया संवाद

प्रतापगढ़ (आरएनएस)। रानीगंज में शनिवार को भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ क्लस्टर इंचार्ज मंत्री अनिल राजभर ने संवाद किया। अनिल राजभर ने कहा कि भाजपा राष्ट्रवादी सिद्धांतों पर केंद्रित विदेश नीति की वकालत करती है। अनुच्छेद 370 को निरस्त करने, अयोध्या में राम मंदिर के बहुप्रतीक्षित निर्माण, ट्रिपल तलाक विरोधी अधिनियम, नागरिकता संशोधन अधिनियम और बालाकोट हवाई हमले के संबंध में इसके प्रमुख निर्णय ऐतिहासिक रहे हैं। जिला प्रभारी कौशलेंद्र सिंह पटेल ने कहा कि मोदी जी ने जाति पात और धर्म का भेदभाव किए बिना हर वर्ग का विकास किया है। धीरज ओझा ने कहा कि रानीगंज विधानसभा से हमारा प्रत्याशी विजई होकर जायेगा।

गणित प्रतियोगिता में सी.एम.एस. छात्र चैम्पियन

लखनऊ, 11 मई। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर प्रथम कैम्पस के कक्षा–5 के छात्र अभिसार श्रीवास्तव ने एबेकस कम्पटीशन में चौम्पियन्स ट्राफी अर्जित कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। यह प्रतियोगिता शैक्षिक संस्था ब्रेनोब्रेन के तत्वावधान में आयोजित ब्रेनोब्रेनफेस्ट–2024 के अन्तर्गत आयोजित की गई। सी.एम.एस. प्रबन्धक प्रो. गीता गाँधी किंगडन ने विद्यालय के इस मेधावी छात्र के उज्जवल भविष्य की कामना की है। प्रतियोगिता में कई प्रतिष्ठित विद्यालयों के प्रतिभाशाली छात्रों ने प्रतिभाग कर अपनी गणितीय प्रतिभा का प्रदर्शन किया तथापि कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सी.एम.एस. गोमती नगर प्रथम कैम्पस के इस मेधावी छात्र ने एबेकस के माध्यम से विभिन्न ट्रिक्स अपनाकर गणित के सवालों के जवाब निकाले एवं अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चौम्पियन होने का गौरव प्राप्त किया। आयोजकों ने इस प्रतिभाशाली छात्र की बहुमुखी प्रतिभा की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए प्रशस्ति पत्र, मेडल व ट्राफी प्रदान कर सम्मानित किया।

सी.एम.एस. छात्र न सिर्फ शैक्षिक क्षेत्र में अपितु समाज के अन्य बहुतेरे क्षेत्रों में भी विद्यालय का नाम राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर रहे हैं क्योंकि सी.एम.एस. अपने छात्रों के बौद्धिक विकास के साथ उन्हें सामाजिक गतिविधियों एवं रचनात्मक कार्यों के लिए विशेष रूप से प्रेरित करता है। यही कारण है कि सी.एम.एस. छात्र सदैव ही विभिन्न रचनात्मक एवं सृजनात्मक प्रतियोगिताओं में अपनी बहुमुखी प्रतिभा की छाप छोड़कर विद्यालय का गौरव बढ़ा रहे हैं।

महिला संगठन ने मंदिर पर शरबत वितरण कर कार्यक्रम आयोजित किया

झांसी! आज अग्रवाल महिला संस्था की ओर से मिशन कंपाउंड बीकेडी के पास हनुमान मंदिर पर शरबत वितरण किया इस प्रोग्राम की सबसे बड़ी खासियत यह थी कि प्रोग्राम शरबत वितरण के पश्चात हम सभी महिलाओं ने जितना भी कूड़ा कचरा था साफ सफाई कर स्वच्छता का परिचय दिया मंदिर की भी साफ सफाई की हमारा संदेश बस यही था कि हम जब भी कोई धार्मिक प्रोग्राम करते हैं फंड कामना तो अच्छा होता है लेकिन उसके बाद जो गंदगी फैल जाती है वह मैं चाहती हूं कि कृपया सभी उसे गंदगी पर ध्यान दें आप जब भी कोई कार्यक्रम करें उसके बाद जितना भी कूड़ा कचरा फैला है वह आपकी ही जिम्मेदारी होती है कि आप साफ करके जाएं ताकि आप बाद में आने वालों को भी अच्छा लगे इस दौरान डॉक्टर मंजू अनुपम संध्या लिखधारी नीलू जैन अलका रजनी अर्चना मित्तल वह अग्रवाल महिला की उन सभी महिलाओं ने उत्साह पूर्वक भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया अग्रवाल महिला विंग की अध यक्षा श्रीमती सुनीता अग्रवाल ने आभार व्यक्त किया

कैंसर मरीजों के लिए वरदान साबित हो रही CAR-T सेल थेरेपी,

झांसी! 11 मई 2024। भारत में कैंसर की समस्या एक बड़ी स्वास्थ्य चिंता के रूप में बढ़ रही है. कैंसर से हर अनुमानित 8 लाख लोगों की मौत हो जाती है और आने वाले सालों में इसकी संख्या बढ़ने की प्रबल आशंका है. एक्यूट ल्यूकेमिया/एग्रेसिव लिम्फोमा के मरीजों की संख्या भी अच्छी खासी हैकाइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर टी सेल्स यानी CAR-T तकनीक के आने से ऐसे मरीजों को काफी उम्मीद मिली है जो बार–बार थेरेपी लेने के बावजूद भी ठीक नहीं हो पाते हैं या वो मरीज को स्टेम सेल ट्रांसप्लांट के लिए फिट नहीं होते हैं. ऐसे मरीजों के लिए ये सीएआर–टी काफी लाभदायक है मैक्स हॉस्पिटल पटपड़गंज (नई दिल्ली) में हेमेटोलॉजी एंड बोन मैरो ट्रांसप्लांट की कंसल्टेंट डॉक्टर करुणा झा ने CAR-T की भूमिका के बारे में बताया, कैंसर कोशिकाएं अप्रत्याशित होती हैं और कई बार कीमोथेरेपी और इम्यूनोथेरेपी ज्यादा प्रभाव नहीं डाल पाती हैं. ये क्लोनल इवॉल्यूशन और बीमारी की प्रतिरोधी प्रकृति के कारण हो जाता है. टी कोशिकाएं एक प्रकार की वाइट ब्लड कोशिकाएं होती हैं, जिन्हें कैंसर कोशिकाओं को मारने के लिए जाना जाता है. काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर्स (सीएआर) डब्ल्यूबीसी होते हैं जो कैंसर कोशिकाओं को उनकी सतह तक टारगेट करते हैं. CAR-T कोशिकाओं को पहली जीवित दवाएं भी कहा जाता है, क्योंकि एक बार जब वे एक्टिवेट हो जाते हैं और शरीर में चले जाते हैं तो वे शरीर में रहते हैं और लंबे समय तक अपना असर दिखाते हैं

श्रीमद भगवत गीता सेमीनार मे बही ज्ञान गंगा मे डूबा एल्डको सौभाग्यम

संजीव कुमार शुक्ला लखनऊ रूश्री श्री राधा रमण बिहारी मंदिर (इस्कॉन) सुशांत गोल्फ सिटी, लखनऊ द्वारा आयोजित दो दिवसीय ष्श्रीमद भगवत गीता सेमीनारष का आयोजन एल्डको सौभाग्यम, शहीद पथ, वृन्दावन योजना, लखनऊ में आज दिनांक 11–05–2024, शनिवार को सायं 06रू00 बजे किया गया सप्रथम दिवस इस्कॉन मंदिर अध्यक्ष एवं वक्ता श्रीमान अपरिमेय श्याम प्रभु जी ने सत्संग मे बताया कि अधिकतर संसार मे हम अपनी पहचान अपने नाम, ख्याति एवं अपने शरीर से करते हैं, लेकिन वास्तव में हम भगवान के अंश हैं। हम जीवात्मा हैं और हम जितना सुख लेना चाह रहे

हैं, वह शरीर के स्तर पर पा लेना चाह रहे हैं। शरीर से मिलने वाला सुख क्षणिक है स्थाई सुख नही है। स्थायी सुख ऐसा सुख है, जो निरन्तर बढ़ता जाए उसे आनंद बोलते हैं। आनंद को प्राप्त करने के लिये हमे आध्यात्मिक जीवन को गंभीरता से लेना पड़ेगा फिर निश्चित रूप से हम आनंद को प्राप्त कर सकते हैं और आध यात्मिक आनंद की प्राप्ति के लिये अध्यात्मिक ज्ञान का होना अति आवश्यक है। बिना आध्यात्मिक ज्ञान के कोई भी व्यक्ति आध यात्मिक जीवन को सही तरीके से नही अपना सकता है।
सामान्य तौर पर देखा जाता है कि संसार मे बहुत सारे ऐसे लोग हैं जो आध्यात्मिक जीवन को अपनाने में वास्तव में आध्यात्मिक ज्ञान को गंभीरता से नहीं लेते और कोई भी ज्ञान तब एक फलीभूत नहीं होता जब तक क्रमबद्ध तरीके से न लिया जाए तो वह ज्ञान हमारे जीवन पर प्रभाव नहीं डालता। अतः वह ज्ञान हमारे हृदय में उतर नहीं पाता। इसी प्रकार से आध्यात्मिक जीवन को क्रमबद्ध तरीके से लेना चाहिए और इसी परम्परा में दो दिवसीय सेमिनार रखा गया। इसके बाद 64 दिनों की भक्ति वृक्ष कक्षाओं का आयोजन होगा, जिसके अंतर्गत भक्तों को उचित तरीके से आध यात्मिक शिक्षा दी जाएगी।श्रीमद भगवत गीता सेमीनार में एल्डको सौभाग्यम एवं आस–पास से आये गणमान्य भक्त उपस्थित रहे, सभी भक्तों ने श्रीकृष्ण भगवान के भजन, कीर्तन, नृत्य तथा विशेष भोजन प्रसाद का आनंद उठाया।

नागरिक सुरक्षा नगरा प्रखंड शत प्रतिशत मतदान की अपील

झांसी! नागरिक सुरक्षा नगरा प्रखंड में आज दिनांक 11 मई 2024 को लोक सभा सामान्य निर्वाचन–2024 में शत प्रतिशत मतदान हेतु उप नियंत्रक नागरिक सुरक्षा झाँसी महोदय श्री शिवराज सिंह के आदेशानुसार नगर के मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मतदाता जागरूकता हस्ताक्षर अभियान पोस्ट संख्या 03 व 07 के सौजन्य से गुरू नानक देव चौक रसबहार पर चलाया गया। हस्ताक्षर अभियान का शुभारंभ सर्वप्रथम वरिष्ठ सहायक उप नियंत्रक श्री सुनील सिंह तदोपरान्त प्रभारी सहायक उप नियंत्रक श्री सुमित गौड़ द्वारा हस्ताक्षर करते हुए किया। नगरा प्रभाग के लगभग 50 वार्डन पदाधिकारी व 150 स्वयंसेवको के साथ 600 व्यक्तियों ने हस्ताक्षर किये। आयोजन पोस्ट वार्डन पीयूष शर्मा ने किया। हस्ताक्षर करने के उपरांत प्रभारी चीफ वार्डन श्री शील कुमार कोपरा, वरिष्ठ सहायक उप नियंत्रक श्री सुनील सिंह, प्रभारी सहायक उप नियंत्रक श्री सुमित गौड़, स्टाफ ऑफिसर चीफ वार्डन श्री दिलीप कुमार अग्रवाल, डिवीजनल वार्डन भूपेन्द पाल खत्री, अतुल अग्रवाल किलपन, डिप्टी डिविजन वार्डन श्री अम्बिका प्रसाद श्रीवास्तव, प्रभूदयाल साहू, हरजिंदर सिंह, बृजमोहन त्रिपाठी, मुकेश कुमार,आशीष नरूला द्वारा सीपरी बाजार की प्रत्येक दुकान पर जा–जाकर व्यपारियों, टेम्पो स्टैण्ड पर खडी सवारियो, राहगीरो से मतदान दिवस पर मतदान करने की अपील करते हुए पमप्लेटस वितरित किए। इस अवसर पर घटना नियंत्रण अधिकारी कु०प्रगति ने सभी को मतदाता जागरूकता शपथ दिलायी। उक्त कार्यक्रम में अंकुर बट्टा, राजकुमार साहू, पवन कुमार कौशिक, मो०फैजान, कल्पना सिंह, नरेश बुंदेला, वंदना पांडे, नकुल, नरेश सैनवार, नीलम शर्मा, कमल, मनीष गुप्ता, विशाल, राहुल, साधना, राजकुमार, सिद्धार्थ बौद्ध आदि समेत बडी संख्या में प्रखंड के अन्य वार्डेन और स्वयंसेवक, क्षेत्रीय व्यापारी, नागरिक शामिल हुए। कार्यक्रम के अंत में हरजिंदर सिह द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया

लोकसभा प्रत्याशी व सांसद अरुण सागर ने प्रचार के आखिरी दिन जलालाबाद और अल्हागंज में ताबड़तोड़ किया जनसंपर्क

वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने लोकसभा प्रत्याशी व सांसद अरुण सागर और महापौर अर्चना वर्मा के साथ शहर में किया रोड शो

शाहजहांपुर।(आकाश सक्सेना) शाहजहांपुर में आज चुनाव प्रचार का आखिरी दिन है। 13 मई को लोकसभा और ददरौल विधानसभा उपचुनाव के लिए मतदान होगा। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने लोकसभा प्रत्याशी व सांसद अरुण सागर, महापौर अर्चना वर्मा, डीपीएस राठौर समेत तमाम पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ रोड शो किया। अग्रसेन भवन से शुरू हुआ रोड शो रंगमहला, केरूगंज सब्जी मंडी, चौक, कच्चा कटरा, घंटाघर, बहादुरगंज होते हुए सदर बाजार के साथ गोविंदगंज में समापन हुआ। उसके बाद वित्त मंत्री सुरेश खन्ना और लोकसभा प्रत्याशी अरुण सागर ने जनता से हर बूथ पर कमल खिलाने की अपील की। उसके बाद लोकसभा प्रत्याशी व सांसद अरुण सागर ने तमाम नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ जलालाबाद में अंबेडकर जी मैन चौराहा से होते हुए कोतवाली चौराहा से मेन मार्केट होते हुए, भगवान परशुराम मंदिर होते हुए बंगाली बाबू की दुकान से होते हुए तहसील रोड व बजरिया में जनसंपर्क करते हुए मैन चौराहा पर जनसंपर्क करने के बाद जनता को संबोधित किया। उसके बाद उन्होंने अल्हागंज मैन मार्केट में भी जनसंपर्क किया।
लोकसभा प्रत्याशी व सांसद अरुण सागर ने कहा कि, 13 मई को हर घर से हर एक सदस्यों को बूथ पर जाकर भाजपा के पक्ष में मतदान करना है। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि, जिस तरह से शाहजहांपुर वासियों ने पांच साल पहले मुझे 2 लाख 70 हजार वोटो से विजयी दिलाई थी। और देश को मजबूत किया था। इस बार भी उससे भी बड़ी जीत दिलाकर तीसरी बार देश की बागडोर नरेंद्र मोदी को प्रध ाानमंत्री बनारक उनके हाथो में देना है। पिछले दस साल में भारती की सीमाएं सुरक्षित हुई है। देश में स्वतंत्र रूप से योजनाएं बनाई गई और उसको देश के हर कोने कोने पर गरीबो तक पहुंचाई गई। ऐसा सिर्फ मोदी सरकार में ही संभव है। उन्होंने कहा कि, राष्ट्रहित में मतदान करके देश को मजबूत बनाना हम सबकी जिम्मेदारी है। लोकसभा प्रत्याशी अरुण सागर ने कहा कि, मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से शाहजहांपुर वासियों को सबसे ज्यादा लाभ मिला है। गरीब के चेहरे पर खुशहाली लाने का काम मोदी सरकार में चलाई गई जनकल्याणकारी योजनाओं ने किया है । जल जीवन मिशन की योजना से हर घर में शुद्ध पेयजल पहुंचाया गया। आयुष्मान कार्ड योजना से गरीब को हर्ष पांच लाख रुपये का फ्री इलाज दिया गया। जनधन योजना चलाई गई। उज्जवला योजना का लाभ मिला है। उन्होंने अपील की है कि, तीसरी बार मोदी सरकार बनाने पर देश की तीन करोड़ महिलाएं लखपति दीदी बनेगी। अरुण सागर ने कहा कि, मोदी सरकार की योजनाओं से आज ऐसे लोग पक्के मकानो में रहे हैं। जिनके लिए मकान बनाना बहुत बड़ी समस्या थी। शाहजहांपुर में मेडिकल कालेज बनाया गया। रेलवे स्टेशन के लिए करोड़ों रुपये का बजट दिया गया। पांच साल के दौरान नेशनल हाइवे 24 के कार्य को पूरा कराया गया। लोकसभा प्रत्याशी अरुण सागर ने जनता से हाथ जोड़कर अपील की है कि, 13 मई को एक एक वोट भाजपा के पक्ष डालकर तीसरी बार मोदी सरकार बनाएं। उन्होंने नारा दिया। अबकि बार 400 पार, तीसरी बार मोदी सरकार। इस दौरान तमाम भाजपा नेता, पदाधि ाकारी मौजूद रहे।अल्लागंज में अनिल गुप्ता जिला महामंत्री भाजपा तथा अन्य पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

तो अब जेल में उत्पातियों की खैर नही,अब अंदर जाने वालों की मेंटल डिटेक्टर से शुरू हुई जांच,सोंटा व टार्च तैयार

जिला कारागार की सुरक्षा के लिए बाहरी दीवालों पर लगाई गई रोशनी,

(फ़ोटो कैप्शन)जेल की बाहरी दीवारों पर की गई रोशनी व फ़ोटो में जेल अधीक्षक प्रांजल अरविंद।

संवाददाता।
सुल्तानपुर जिला कारागार का प्रभार लेते ही जेल अधीक्षक प्रांजल अरविंद ने जेल की व्यवस्था में सुधार करना शुरू कर दिया।इस बात की जानकारी एक भेंटवार्ता के दौरान जेल अध ीक्षक ने के.डी न्यूज के संवाददाता को बताया।आगे की जानकारी देते हुए उन्होंने कहा कि हमारे प्रभार लेने के बाद जेल की सुरक्षा को मजबूत करने के लिए जेल की बाहरी दिवार पर चारो तरफ प्रकाश की उचित व्यवस्था कर दी गयी है और साथ ही अब सभी मुलाकातियों को कैदियों व बन्दियों से मिलने के पहले मेंटल डिटेक्टर मशीन से चेकिंग शुरू कर दी गई हैं।अब उत्पातियों की खैर नही रहेगी सोंटा और टार्च तैयार है अब अंदर के पुलिस कर्मियों के लिए टॉर्च,व डंडे (सोंटा) की भी व्यवस्था कर दी गई हैं। प्रांजल अरविंद ने बातचीत को आगे बढ़ाते हुए महिला बैरक के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अभी तक पीसीओ की संख्या 6 थी जिसको बढ़ा कर अब 13 कर दी गयी है और साथ ही दो अतिरिक्त पीसीओ महिला बैरक में लगाया गया है और एक पीसीओ की तैनाती बच्चा बैरक में कर दी गई है। बंदियों व कैदियों को स्वच्छ जल की चिंता करते हुए जेल अधीक्षक ने बताया कि पानी व्यवस्था के लिए जेल का सेंट्रल फिल्टर सिस्टम सही करा दिया गया है साथ ही बन्दियों को घर जैसा स्वच्छ पानी पीने की व्यवस्था कर दी गई हैं। बातचीत का अंत करते हुए जेल अधीक्षक प्रांजल अरविंद ने कहा कि जल्द ही आप सब को जेल के अंदर व बाहर कराए हुए कार्यों की कायाकल्प नजर आएगा।

सीएमओ ने दिया एक्सरे टेक्नीशियन तो सीएमएस ने पुनः शुरू करवाया सीटी सुविधा

सुल्तानपुर(आरएनएस)। जिला अस्पताल से मेडिकल कॉलेज बनते ही स्वास्थ्य सुविधा धडाघ्म हो चुकी है। गनीमत है कि जिले की स्वास्थ व्यवस्था सीएमओ डॉ.ओम प्रकाश चौधरी ने सभांल रखी है तो जिला अस्पताल सीएमएस डॉ.एसके गोयल के हवाले है। अन्यथा की स्थिति तो मेडिकल कॉलेज बंया कर ही रहा है, बडी–बडी बात करने वाले की नजर के सामने मेडिकल कॉलेज में चलने वाली जबरदस्त दलाली और मरीजों का दोहन, फिर भी कान पर जूं नही रेंग रही है तो मतलब साफ है कि कुछ तो गड़बड़ है। गनीमत है कि सीएमओ और सीएमएस जैसे जिम्मेदार जिले में मौजूद है वर्ना कांट्रैक्ट वाले तो सत्यानाश कर ही रहे है। बीते पांच दिनों से सीटी स्कैन मशीन तकनीकी खराबी के चलते बंद पडीघ थी,मरीज सफर कर रहे थे, परंतु सीएमएस डॉ.एसके गोयल के द्वारा अथक प्रयास से सीटी स्कैन सुविधा मरीजों के लिए बहाल हुई, तो वही दूसरी तरफ मेडिकल कॉलेज में एक्सरे टैक्निशियन ना होने के वजह से मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। मामले की जानकारी सीएमओ डॉ.ओम प्रकाश चौधरी तक पहुंची, सीएमओ डॉ.चौधरी ने फौरन आचार संहिता का पालन करते हुए राहुल वर्मा(डीआरए) सामु.स्वा.केंद्र डीहडग्गूपुर और अरविंद कुमार डीआरए सामुदायिक केंद्र जयसिंहपुर को संबद्ध करते हुए कहाकि मरीजों को हरहाल में स्वास्थ सुविधाएं उपलब्ध करना हमारा दायित्व है। सूत्र बताते है कि सीएमओ व सीएमएस की तरह दूसरे भी जिम्मेदार कार्य को अंजाम देना शुरू कर दें तो मेडिकल कॉलेज नाम का नही बल्कि काम से जाना जाने लगे। परंतु जिले का दुर्भाग्य ही कहा जाएगा कि जिम्मेदार सिर्फ लच्छेदार बातों से ही काम चला रहे है।

नाराज मृतक सफाई कर्मी के परिजन पहुंचे कलेक्ट्रेट, कारवाई की मांग

सुलतानपुर(आरएनएस)। आठ मई को भाजपा नेत्री के घर सफाई करने गए सफाई कर्मी की मौत हो गई थी। पुलिस ने मृतक सफाई कर्मी के शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा दिया था। वहीं परिजनों ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्यवाही की मांग करते हुए उसका अंतिम संस्कार कर दिया था। पुलिस द्वारा कोई कार्यवाही न होने से नाराज परिजन कलेक्ट्रेट पहुंच गए।
सूचना पर पहुंचे नगर कोतवाल परिजनो को एसपी ऑफिस ले गए। अमेठी जिले के मुंशीगंज थानाक्षेत्र के पूरब द्वारा निवासी राहुल नगर पालिका में बतौर दिहाड़ी सफाई कर्मी था। बीते आठ मई को वह भाजपा नेत्री पूजा कसौधन के घर सफाई के लिए गया हुआ था।
इसी दौरान उसकी तबीयत बिगड़ी तो अस्पताल लाया गया। जहां मौजूद चिकित्सको ने उसे मृत घोषित कर दिया तो पुलिस ने पंचनामा भर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा दिया। परिजन नगर कोतवाली में तहरीर दे विधिक कार्यवाही की मांग की थी। पोस्टमॉर्टम के बाद परिजनों ने उसका अन्तिम संस्कार कर दिया। पुलिस द्वारा विधिक कार्यवाही नहीं होने पर परिजन कलेक्ट्रेट पहुंच गए।सूचना पर पहुंचे नगर कोतवाल श्रीराम पांडे परिजनो को एसपी ऑफिस ले गए। पीड़ित के पिता ने बताया कि शाम तीन बजे एसपी ने वार्ता की बात कही है।

सांसद ने इलेक्शन बाद गरीबों के लिये 1 लाख घर लाने की दी गारंटी

सुलतानपुर(आरएनएस)। भाजपा की सिटिंग सांसद व बीजेपी प्रत्याशी मेनका संजय गांधी ने शनिवार को सदर विध ाानसभा में नुक्कड़ सभाओं को संबोधित करते हुए कहा सरकार ने गांव और गरीबों को विकास की मुख्य धारा से जोड़ा है। हम भेदभाव में विश्वास नही करते।उन्होंने कहा जाति – धर्म नही, विकास हमारा एजेंडा हैं। मैं सबके लिए काम करतीं हूं। उन्होंने बताया कि मैंने अखबारों में पढ़ा कि मेडिकल कालेज में एक्स–रे के लिए लंबी लाइनें लगी है। मैंने जिम्मेदार प्रशासनिक अधिकारियों से बात कर दो टेक्नीशियन की व्यवस्था करा दी है। अब एक्स–रे में लोगों कों लम्बी लाइनों से निजात मिलेगी।सांसद मेनका ने कहा कि हम इसी तरह काम करते है। हम कामों को फौरन निपटाते है। लटकाने में विश्वास नहीं करते। उन्होंने बताया कादीपुर में पांच विद्यालय बनने थे। दो साल से बजट बिना लटके रहे। वहां के प्रधानों ने जानकारी दी तो मैंने बेसिक शिक्षा विभाग में पता किया तब बताया गया कि शासन से बजट नही आया। मैंने लखनऊ बात की और 1 करोड़ 49 लाख रुपए बजट आ गया। अब स्कूल का काम शुरू हो जाएगा। इसी तरह 6 करोड़ रूपए से गांवों में 12 नलकूप लगाने का काम होंगा। सांसद श्रीमती गांधी ने सांसद ने नुक्कड़ सभाओं गरीबों के लिए इलेक्शन बाद 1 लाख घर और लाने की गारंटी दीं हैं। सांसद मेनका ने बढ़ौनाडीह में छोटे बच्चे को गोद में बैठाकर हनुमान चालीसा सुनी और प्यार दुलार करते हुए कहा यह बड़े होने पर नेता बनेगा।
बच्चा भी बेहिचक गोद में बैठा रहा। सांसद मेनका गांधी की सभा में गुरेगांव निवासी सपा नेता सुनील सिंह बड़ी संख्या में अपने समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल हुए।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 12 मई 2024
sheelshukla100@gmail.com

संपादकीय

मानव मन की जटिलता

कर्नाटक हाई कोर्ट ने 'जाओ फांसी लगा लो' कहने को आत्महत्या के लिए उकसाने की श्रेणी में रखने से मना कर दिया। अदालत आपत्तिजनक बयानों से जुड़े आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले की जटिलताओं को दूर करने के मुद्दे पर विचार कर रही थी।तटीय कर्नाटक के उडुपी में गिरजाघर में पादरी की मौत के सिलसिले में हत्या के लिए उकसाने के आरोपों से जुड़ी याचिका पर अदालत ने यह कहा। आरोप है कि पादरी और याचिकाकर्ता की पत्नी के दरम्यान दैहिक संबंध थे। दोनों के बीच हुई बहस में उसने पादरी को मरने के लिए कहा।

एकल जज की पीठ ने सर्वोच्च अदालत के पूर्व निर्णयों के आधार पर कहा सिर्फ बयानों को उकसाने वाला नहीं माना जा सकता। अदालत ने पिता और पादरी होने के बावजूद मानव मन की जटिलताओं का जिक्र करते हुए मामले को खारिज कर दिया। जिम्मेदार और धार्मिक पद पर होने के बावजूद सामाजिक मूल्यों का अनादर करने वाला शख्स आत्मग्लानि के चलते भी जिंदगी समाप्त कर सकता है। अपने समाज में साल दर साल आत्महत्याओं के मामले बढ़ते जा रहे हैं।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार सिर्फ एक साल (2022) में प्रति दिन 468 लोगों ने अपनी जान ली। खुद की जान लेने वालों में युवाओं की संख्या बढ़ती जा रही है। खासकर सामाजिक–पारिवारिक कारणों से लोग खुदकुशी कर लेते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार अपनी जिंदगी से उकता कर, निराश होकर या आवेश में आत्महत्या करने वाले भी मानसिक तौर पर इसके लिए तैयार होते हैं, जिसके संकेत वे लगातार अपने करीबियों, परिवार या मित्रों को देते रहते हैं, जिसकी प्रायरू अनदेखी की जाती है।

इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि मानसिक प्रताडना, उलाहनों, उत्पीडन और दोष मढ़े जाने से आजिज आकर भी लोग अपनी जान ले लेते हैं। मगर इस मामले में केवल कहासुनी के दौरान मरने का ताना देना ही काफी नहीं कहा जा सकता। आत्म–गलानि भरे उपासकों के पाप–स्वीकरण सुनने वालों के प्रति आम जन जो सम्मान का भाव रखता है, उसका दुष्चरित्र होना, सामाजिक तौर पर अस्वीकृत और तिरस्कृत होता है। इसी सब से भयभीत होकर मृतक को यह कदम उठाना पड़ा होगा।

गर्मी जल्दी आई साथ में प्यास भी गहराई

इस बार गर्मी जल्दी आई और साथ में प्यास भी गहराई। केंद्र सरकार की महत्त्वाकांक्षी 'हर घर जल योजना' ने बढ़ते ताप के सामने दम तोड़ दिया।

आखिर, धरती का सीना चीर कर गहराई से पानी उलीचने से हर एक का कंठ तर होने से तो रहा। वैसे हकीकत तो यह है कि अब देश के 32 फीसद हिस्से को पानी की किल्लत के लिए गरमी के मौसम का इंतजार भी नहीं करना पड़ता– बारहों महीने, तीसों दिन जेठ ही रहता है।

कुछ दशक पहले पलट कर देखें तो आज पानी के लिए हाय–हाय कर रहे इलाके अपने स्थानीय स्रोतों की मदद से ही खेत और गले, दोनों के लिए अफरात पानी जुटाते थे। एक दौर आया कि अंधाधुंध नलकूप रोपे जाने लगे, जब तक संभलते जब तक भूगर्भ का कोटा साफ हो चुका था।

समाज को एक बार फिर बीती बात बन चुके जल–स्रोतों की ओर जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है–तालाब, कुएं, बावड़ी। लेकिन एक बार फिर पीढियों का अंतर सामने खड़ा है, पारंपरिक तालाबों की देखभाल करने वाले लोग किसी ओर काम में लग गए और अब तालाब सहेजने की तकनीक नदारद हो गई है। तभी बीते तीन दशक में केंद्र और राज्य की अनेक योजनाओं के तहत तालाबों से गाद निकालने, उन्हें सहेजने के नाम पर अफरात पैसा खर्च किया गया और नतीजा रहा वही 'ढाक के तीन पात!'

भारत के हर हिस्से में वैदिक काल से लेकर ब्रितानी हुकूमत के पहले तक सभी कालखंडों में समाज द्वारा अपनी देश–काल–परिस्थिति के मुताबिक बनाई गई जल संरचनाओं और जल पप्रालियों के कई प्रमाण मिलते हैं, जिनमें तालाब हर जगह हैं। रेगिस्तान में तो उन तालाबों को सागर की उपमा दे दी गई तो कन्नड में कैरे और तमिल में ऐरी। यहां तक कि ऋग्वेद में भी सिंचित खेती, कुओं और गहराई से पानी खींचने वाली प्रणालियों का उल्लेख मिलता है। हड़प्पा एवं मोहनजोदड़ो (ईसा से 3000 से 1500 साल पूर्व) में जलापूर्ति और मल निकासी की बेहतरीन पणालियों के अवशेष मिले हैं। ईसा से 321–297 साल पहले, कौटिल्य का अर्थशास्त्र बानगी है जो बताता है कि तालाबों को राज्य की जमीन पर बनाया जाता था। समाज ही तालाब गढने का सामान जुटाता था। जो लोग इस काम में असहयोग करते या तालाब की पाल को नुकसान पहुंचाते उन्हें राज्य–दंड मिलता। आधुनिक तंत्र की कोई भी जल संरचना 50–60 साल में दम तोड़ रही है जबकि चंदेलकाल अर्थात 1200 साल से अधिक पुराने तालाब आज भी लोगों को जिंदगी का भरोसा दिए हुए हैं।

अंग्रेज शासक चकित थे, यहां के तालाबों की उत्तम व्यवस्था देख कर। उन दिनों कुओं के अलावा तालाब ही पेयजल और सिंचाई के साधन हुआ करते थे। फिर आधुनिकता की आंधी में सरकार और समाज, दोनों ने तालाबों को लगभग बिसरा दिया, जब आंख खुली तब बहुत देर हो चुकी थी। एक सदी पहले तक बुंदेलखंड के इन तालाबों की देखभाल का काम पारंपरिक रूप से ढीमर समाज के लोग करते थे। वे तालाब को साफ रखते, उसकी नहर, बांध, जल आवक को सहेजते–ऐवज में तालाब की मछली, सिंघाड़े और समाज से मिलने वाली दक्षिणा पर उनका हक होता। इसी तरह प्रत्येक इलाके में तालाबों को सहेजने का जिम्मा समाज के एक वर्ग ने उठा रखा था और उसकी रोजी–रोटी की व्यवस्था वही समाज करता था, जो तालाब के जल का इस्तेमाल करता था। लेकिन आज गांव या शहर के रुतबेदार लोग जमीन पर कब्जा करने के लिए बाकायदा तालाबों को सुखाते हैं, पहले इनके बांध फोड़े जाते हैं, फिर इनमें पानी की आवक के रास्तों को रोका जाता है–न भरेगा पानी, न रह जाएगा तालाब। गांवों में तालाब से खाली हुई उपजाऊ जमीन लालच का कारण होती है तो शहरों में कालोनियां बनाने वाले भूमाफिया इसे सस्ता सौदा मानते हैं। राजस्थान में उदयपुर से ले कर जैसलमेर तक, हैदराबाद में हुसैनसागर, हरियाणा में दिल्ली से सटी सुल्तानपुर लेक या फिर उप्र के चरखारी और झांसी हों या फिर तमिलनाडु की पुलिकट झीलय सभी जगह एक ही कहानी है। हां, पात्र अलग–अलग हो सकते हैं।

सभी जगह पारंपरिक जल–प्रबंधन के नष्ट होने का खमियाजा भुगतने और अपने किए या फिर अपनी निष्क्रियता पर पछतावा करने वाले लोग एक समान ही हैं। समाज और सरकार पारंपरिक जल–स्रोतों कुओं, बावडियों और तालाबों में गाद होने की बात करते हैं, जबकि हकीकत में गाद तो उन्हीं के माथे पर है। सदा नीरा रहने वाली बावड़ी–कुओं को बोरवेल और कचरे ने पाट दिया तो तालाबों को कंक्रीट का जंगल निगल गया। एक तरफ प्यास से बेहाल होकर अपने घर–गांव छोड़ते लोगों की हकीकत है, तो दूसरी ओर पानी का अकूत भंडार! यदि जल संकटग्रस्त इलाकों के सभी तालाबों को मौजूदा हालात में भी बचा लिया जाए तो वहां के हर इंच खेत को तर सिंचाई, हर कंठ को पानी और हजारों हाथों को रोजगार मिल सकता है।

देश में भ्रष्टाचार का खंड बन गया है झारखंड

भ्रष्टाचार के मामले सामने आने पर क्षेत्रीय दलों का प्रयास यही रहता रहा है कि इसे केंद्र की भाजपा सरकार की साजिश करार दिया जाए। कांग्रेस ने इन दलों के भ्रष्टाचार के मामलों में संरक्षक की भूमिका निभाई है।गैरभाजपा राजनीतिक दलों के लिए देश में व्याप्त भ्रष्टाचार कोई चुनावी मुद्दा नहीं रह गया है। यही वजह है कि खासतौर से क्षेत्रीय दलों की सरकारों में बेशर्मी से लूटने की होड़ मची हुई है। झारखंड में एक मंत्री के निजी सहायक के नौकर के घर से मिले करीब 35 करोड़ रुपए मिलने पर किसी भी दल ने कठोर कार्रवाई की मांग तो दूर बल्कि इस भारी–भरकम भ्रष्टाचार के लिए अफसोस तक जाहिर नहीं किया। यह पहला मौका नहीं है जब इंडिया गठबंधन में शामिल दलों की असलियत उजागर हुई हो। इससे पहले भी असीम सुर्खियों में रहे भ्रष्टाचार के मामलों में भी क्षेत्रीय दलों की सत्तारुढ़ सरकारो के काले कारनामे सामने आ चुके हैं। भ्रष्टाचार के मामले सामने आने पर क्षेत्रीय दलों का प्रयास यही रहता रहा है कि इसे केंद्र की भाजपा सरकार की साजिश करार दिया जाए। कांग्रेस ने इन दलों के भ्रष्टाचार के मामलों में संरक्षक की भूमिका निभाई है। कारण स्पष्ट है यदि कांग्रेस क्षेत्रीय दलों के भ्रष्टाचार के मामले उठाती है तो उसे अपनी गिरेबां में भी झाकना होगा। इससे ये दल एक–दूसरे के भ्रष्टाचार के मामलों में छिछालेदार करने लगेंगे। ऐसी हास्यादपद स्थिति से बचने के लिए ये दल एक–दूसरे के भ्रष्टाचार का जिक्र नहीं करते हैं। कांग्रेस ने भ्रष्टाचार के मामलों में मौन साध ो रखा है। यहां तक की कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के घोषणा पत्र में भ्रष्टाचार का जिक्र तक करना जरूरी नहीं समझा। कांग्रेस को अंदाजा था कि इसका जिक्र करते ही भाजपा गठबंधन खिल्ली उड़ाने से चूकेगा नहीं। यही वजह रही कि कांग्रेस घोषणा पत्र में देश में व्याप्त भ्रष्टाचार के खात्मे को लेकर कोई वादा नहीं किया। आश्चर्य यह है कि झारखंड के ग्रामीण विकास मंत्री और कांग्रेस नेता आलमगीर आलम के निजी सचिव संजीव लाल के घरेलू सहयोगी जहांगीर के यहां छापा मार कर प्रवर्तन निदेशालय ने 35 करोड़ रुपए बरामद किए। इस पर भी मंत्री आलम ने त्याग पत्र देना जरूरी नहीं समझा। झारखंड में सत्ता में शामिल कांग्रेस ने आलम के इस्तीफ की मांग तक नहीं की। अलबत्ता कांग्रेस ने इससे अपना दामन बचाने की कोशिश जरूर की। लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र में आयोजित राहुल गांधी की सभा में मंच पर कांग्रेस कोटे से ग्रामीण विकास मंत्री बने आलमगीर आलम को जगह नहीं मिली। कांग्रेस ने आलमगीर को महज यह संदेश देकर औपचारिकता निभाई की पहले जांच से बरी होकर आओ। इससे पहले झारखंड के तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन भी भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार हो चुके हैं। सोरेन को जमानत नहीं मिल सकी है। पूर्व मुख्यमंत्री सोरेन 6 अक्टूबर 2023 को नई हेमंत सोरेन को कथित भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार किया गया था। जैसा कि अक्सर होता है हर भ्रष्टाचारी ऐसे मामलों को फसाने की साजिश करार देता है, इसी तर्ज पर सोरेन ने भी आरोप से इनकार किया। कांग्रेस ने सोरेन की गिरफ्तारी की निंदा की और इसे संघवाद के लिए झटका बताया था। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा था कि भ्रष्टाचार में डूबी भाजपा लोकतंत्र को नष्ट करने का अभियान चला रही है। कांग्रेस यह भूल गई कि पिछले साल दिसंबर में भी झारखंड में कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और कारोबारी धीरज साहू के ठिकानों से इनकम टैक्स ने 350 करोड़ रुपये से ज्यादा कैश बरामद किया था। इस पर साहू ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा था कि छापेमारी में जो कैश बरामद किया गया है, वो मेरी शराब की कंपनियों का है। शराब का कारोबार नकदी में ही होता है और इसका कांग्रेस पार्टी से कोई संबंध नहीं है। झारखंड से कांग्रेस के राज्यसभा सांसद धीरज प्रसाद साहू के ठिकानों से 290 करोड़ रुपये से ज्यादा कैश मिला था। इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ने साहू से जुड़े ओडिशा और झारखंड के उनके ठिकानों पर छापेमारी की। इस छापेमारी के दौरान विभाग को अलमारी में करोड़ों रुपये भरे हुए मिले। धीरज साहू के पास कितना कैश बरामद हुआ है, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लगातार तीन दिन छापेमारी कर नोट गिनने पड़े। आलम ये रहा है कि नोट गिनने के लिए लाई गईं मशीनों की क्षमता कम पड़ गई। नोट गिनने के लिए तीन दर्जन मशीनों को मंगाया गया था, जो कम पड़ गईं। पीएम मोदी ने ओडिशा की रैली में किया नकद बरामदगी का जिक्र चुनाव प्रचार के लिए ओडिशा पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नकद बरामदगी का जिक्र भी किया। उन्होंने केंद्र द्वारा जांच एजेंसियों के कथित दुरुपयोग पर विपक्ष के आरोप का जवाब देते हुए पूछा कि पड़ोसी राज्य झारखंड में नोटों के पहाड़ मिल रहे हैं। मोदी ने कहा कि अब आप ही बताइए, अगर मैं उनकी चोरी, उनकी कमाई, उनकी लूट बंद कर दूं, तो क्या वे मोदी को गाली देंगे या नहीं? गालियों के बावजूद, क्या मुझे आपका पैसा नहीं बचाना चाहिए। झारखंड और भ्रष्टाचार का चोली दामन का साथ है। संयुक्त बिहार में ही झारखंड मे हुए चारा घोटाले से शुरू हुई थी और बड़े भ्रष्टाचार की कहानी आज भी बदस्तूर जारी है। चारा घोटाले में राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव का नाम सामने आया था। इस घोटाले में पशुओं के चारे की चोरी की गई। 950 करोड़ के इस घोटाले मे 53 मामले दर्ज किए गए थे, जबकि कुल 170 आरोपी बने गए थे। इस मामले का खुलासा 1996 में हुआ था। इसके बाद मधु कोड़ा के मुख्यमंत्री काल मे शेल कंपनियों के जरिए काली कमाई को सफेद करने का मामला सामने आया। करीब 4 हजार करोड़ का ये घोटाले अपने आप मे देशभर के बड़े घोटालों में से एक था। आज भी मामला अदालत में है। मधु कोड़ा को मुख्यमंत्री पद से हटने के बाद जेल भी जाना पड़ा था। अलग झारखंड राज्य की मांग को अटल बिहारी वाजपेयी की तत्कालीन सरकार ने वर्ष 2000 में पूरा तो कर दिया था। लेकिन जिस मकसद से अलग राज्य की मांग हो रही थी, वह मकसद पीछे छूट गया। झारखंड में लूट का सिलसिला शुरू हो गया। बिहार से अलग झारखंड बनाने की मांग इसलिए हो रही थी कि इसका समुचित विकास अपने ही संसाधनों से सुचारू ढंग से हो पाएगा। इसकी झलक भी पहले बजट में दिखी थी राज्य सरकार का शुरुआती बजट सरप्लस था। झारखंड अलग राज्य बनने के बाद जिस विकास और खुशहाली का सपना लोगों ने देखा था, वह तो पूरा नहीं हुआ उल्टे यहां लूट की संस्कृति दिन प्रतिदिन मजबूत होती गई। हाल के तीन साल में जिस तरह नौकरशाहों और नेताओं के घर से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम नोटों का जखीरा बरामद करती आ रही है, उससे तो झारखंड का अघोषित नाम लूटखंड हो गया है। गौरतलब है कि दिल्ली शराब घोटाले के मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी के नेता मनीष सिसौदिया और संजय सिंह पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं।

अरविंद केजरीवाल को मिली अंतरिम जमानत के सियासी मायने को ऐसे समझिए

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने शर्त रखी थी कि अगर चुनाव प्रचार के लिए जमानत दी जाती है तो वह मुख्यमंत्री के तौर पर काम नहीं करेंगे और न ही किसी फाइल पर हस्ताक्षर करेंगे। फिर भी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भिजवाने वाली ईडी परेशान हो गई। सुप्रीम कोर्ट के एक साहसिक निर्णय से जेल में बंद भारतीय राजनेताओं के चुनावों के दौरान बाहर आने और चुनाव प्रचार में अपनी भागीदारी जताने का मार्ग प्रशस्त हो चुका है। समझा जाता है कि कोर्ट के इस उदार पहल से भारत में एक नई सियासी क्रांति का आगाज हो सकता है। लिहाजा, इस निर्णय के सफेद और स्याह पक्ष पर चर्चा करने से पहले यह बता दें कि दिल्ली एक्साइज पॉलिसी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी की जांच का सामना कर रहे और पिछले 50 दिन से जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को सुप्रीम कोर्ट ने आगामी एक जून 2024 तक के लिए अंतरिम जमानत दे दी है। ऐसा इसलिए कि अरविंद केजरीवाल को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति 2021–22 में कथित अनियमितताओं से संबंधित मनी लॉन्ड्रिंग जांच के सिलसिले में विगत 21 मार्च 2024 को ईडी ने गिरफ्तार किया था। ईडी के इस निर्णय की तब बहुत आलोचना हुई थी, क्योंकि मुख्यमंत्री पद पर रहते हुए ही उन्हें गिरफ्तार किया गया था, जो भारतीय राजनीतिक इतिहास की अनोखी घटना बन चुकी है। इसी मामले में गत 8 मई 2024 को सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति संजीव खन्ना की अध्यक्षता वाली पीठ ने सुनवाई की। सुनवाई के दौरान ही न्यायमूर्ति खन्ना ने प्रवर्तन निदेशालय के वकील अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से कहा था कि वह केजरीवाल को अंतरिम राहत पर शुक्रवार को आदेश पारित कर सकते हैं। इससे एक दिन पहले भी यानी गत 7 मई को सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर कहा था कि मामले की सुनवाई जल्दी पूरी होने की उम्मीद नहीं है। ऐसे में कोर्ट लोकसभा चुनाव को देखते हुए केजरीवाल को अंतरिम जमानत पर विचार कर सकता है। हालांकि, कोर्ट ने शर्त रखी थी कि अगर चुनाव प्रचार के लिए जमानत दी जाती है तो वह मुख्यमंत्री के तौर पर काम नहीं करेंगे और न ही किसी फाइल पर हस्ताक्षर करेंगे। फिर भी दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जेल भिजवाने वाली ईडी परेशान हो गई। आनन–फानन में ईडी ने एक हलफनामा दायर करके उनके अंतरिम जमानत का विरोध किया और कुछ अकाट्य दलीलें भी दी। जिस पर केजरीवाल की लीगल टीम ने भी कड़ी आपत्ति जताई। जिसके दृष्टिगत सुप्रीम कोर्ट ने ईडी की सभी दलीलों को दरकिनार करते हुए केजरीवाल को अंतरिम जमानत दे दी। यही वजह है कि जेल में बंद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मिलने के सियासी और न्यायिक मायने तलाशे जा रहे हैं। क्योंकि यह एक असाधारण न्यायिक आदेश है, जो अब बौद्धिक विमर्श का मुद्दा भी बन चुका है। समझा जा रहा है कि कोर्ट के ताजा निर्देश से जहां देश में जनतांत्रिक भावनाओं को बल मिलेगा, वहीं भ्रष्टाचार और अपराध में शामिल राजनेताओं का मनोबल भी बढ़ेगा। क्योंकि जेल से बाहर रहने का एक अमोघ कानूनी हथियार कोर्ट के फैसले से उन्हें मिल चुका है। लिहाजा, आने वाले दिनों में जेल में बंद भारतीय राजनेताओं के द्वारा चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मांगे जाने के मामले बढ़ेंगे। बता दें कि ईडी ने सुप्रीम कोर्ट में एक हलफनामा देकर यह स्पष्ट कर दिया है कि केजरीवाल को किसी भी तरह की विशेष राहत देकर चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दिया जाना समानता और कानून के शासन के लिए अभिशाप जैसा होगा। इससे ऐसी नजीर कायम होगी कि सभी अपराध करने वाले अनैतिक राजनेता चुनाव की आड़ में जांच को नजरअंदाज करेंगे, चाहे वो पंचायत चुनाव हो, नगरपालिका चुनाव हो, विधानसभा चुनाव हो या फिर आम चुनाव। यदि वे गिरफ्तार किए जाते हैं तो प्रचार के लिए अंतरिम जमानत मांगेंगे। दो कदम आगे की सोचते हुए उसने तर्क दिया कि आजतक किसी भी राजनेता को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत नहीं दी गई, चाहे जेल में बंद वह व्यक्ति स्वयं भी प्रत्याशी क्यों न रहा हो, जबकि केजरीवाल तो उम्मीदवार भी नहीं हैं। ऐसे भी कई उदाहरण हैं कि अपराधी जेल से ही चुनाव लड़े और जीत भी गए, लेकिन उन्हें कभी इस आधार पर जमानत नहीं मिली। वैसे भी चुनाव प्रचार न तो संवैधानिक अधिकार है और न ही मौलिक अधिकार। लिहाजा ऐसा होने से कानून का उल्लंघन करने वाले हर अपराधी को राजनीतिज्ञ बनने और वर्ष भर प्रचार के मोड में रहने का प्रोत्साहन मिलेगा। राजनेता आम आदमी से ऊपर होने और विशेष दर्जे का दावा नहीं कर सकता। ईडी ने अपनी दलील में चुनाव प्रचार के लिए केजरीवाल को अंतरिम जमानत देने का विरोध करते हुए कहा कि मतदान का अधिकार, जिसे कोर्ट ने संवैधानिक अधिकार माना है, वह भी हिरासत के दौरान नहीं रहता। जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 62(5) जेल में बंद व्यक्ति के मतदान के अधिकार में कटौती की बात करती है। यह चीज देखने लायक है कि पिछले पांच सालों में करीब 123 चुनाव हुए हैं और अगर किसी राजनेता को चुनाव प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दी जाने लगे तो किसी भी राजनेता को गिरफ्तार करके जेल में नहीं रखा जा सकता, क्योंकि चुनाव तो सालभर चलने वाली गतिविधि ा है। हर राजनीतिज्ञ हर स्तर पर यह दलील दे सकता है कि अगर उसे जमानत नहीं दी गई तो उसे न भरपाई होने वाला नुकसान होगा। ईडी ने स्पष्ट तौर पर कहा कि इस समय सिर्फ पीएमएलए कानून में ही बहुत से नेता जेल में हैं। उनके मामलों को जांचने के बाद सक्षम अथॉरिटी ने उनकी हिरासत को सही ठहराया है। बहुत से नेता पीएमएलए के अलावा अन्य अपराधों में जेल में होंगे। ऐसे में अरविंद केजरीवाल के साथ विशेष व्यवहार करने और उनकी विशेष मांग स्वीकार करने का कोई कारण नहीं है। उसने तो यहां तक कह दिया कि केजरीवाल ने कई समन के बाद भी जांच एजेंसी के सामने पेश न होने के पीछे पांच राज्यों में चुनाव का यही आधार दिया था।

आज का राशिफल

मेष राशिरूआज आपका दिन अच्छा रहेगा। आप अपने कार्यक्षेत्र में बेहतर ढंग से काम करने की कोशिश करेंगे। मेहनत से किए गए काम में आपको सफलता मिलेगी। इस राशि के कॉलेज के स्टूडेंट्स को नये प्रोजेक्ट पर काम करने का मौका मिलेगा।

वृष राशिरू आज आपका दिन लाभदायक रहेगा आप अपने खर्चे पर कंट्रोल करने की कोशिश करेंगे आज आप अपनी जिम्मेदारियों को अच्छे से निभाएंगे आज हर कोई आपकी बातों से प्रभावित होगा। राजनीति से जुड़े लोगों को आज कुछ नई जिम्मेदारियां मिलेगी मिथुन राशिरू आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है आप ज्यादा समय परिवार वालों के साथ बिताएंगे आज आपके लिए कोई फैसला करना थोड़ा मुश्किल होगा। ऑफिस में काम ज्यादा होने के कारण जीवनसाथी के साथ कहीं जाने का प्लान कैंसिल हो जायेगा।

कर्क राशिरू आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। साझेदारी में किसी डील को फाइनल करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपके दांपत्य जीवन में सुख समृद्धि बनी रहेगी। आज आपके पद व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

सिंह राशिरू आज आपका दिन शानदार रहने वाला है आप किसी रिश्तेदार से मिलने, उनके घर जायेंगे महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद खास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है।

कन्या राशिरू आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज कोई मित्र आपसे मिलने आपके घर आ सकते है। बच्चे आपको कोई शुभ समाचार देंगे, जिससे परिवार के सभी सदस्य खुश होंगे। आज आपको अपनी मेहनत का फल जरूर मिलेगा। किसी रचनात्मक कार्य में आपका नाम होगा।

तुला राशिरू आज आपका दिन कॉन्फिडेंस से भरा रहेगा। धार्मिक कार्यों के प्रति आस्था में बढ़ोतरी होगी आज आप अपने कार्यों में जल्दबाजी करने से बचे आज ऑफिस में सहकर्मी आपसे कुछ सीखना चाहेंगे अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए आज का दिन बढिया है।

वृश्चिक राशिरू आज का दिन अच्छा रहने वाला है बिजनेस में कोई बड़ी डील फाइनल होने से परिवार वालों के साथ घर पर ही पार्टी करेंगे। इस राशि के शिक्षकों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है धनु राशिरूआज का दिन आपको समाज में मान–सम्मान दिलाने वाला होगा। लोग आपसे जुडने की कोशिश करेंगे। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। नौकरी की तलाश कर रहे लोगो को किसी अच्छी कंपनी से जॉब का ऑफर मिलेगा। लवमेट एक दूसरे पर भरोसा बनाये रखें, रिश्तों में और मजबूती आयेगी।

मकर राशिरू आज का दिन मिला जुला रहने वाला है आज आप अपने व्यापार को बढ़ाने के लिए नहीं योजना बनायेंगे। पारिवारिक कार्यों को पूरा करने में घर के सभी सदस्यों का सहयोग प्राप्त होगा। दोस्तों के साथ बनाया हुआ लॉन्ग ट्रिप का प्लान आज कैंसिल हो सकता है।

कुंभ राशिरू आज का दिन शानदार रहने वाला है आज आपके कार्यों में आपको आसानी से सफलता मिलती जायेगी। दाम्पत्य जीवन शानदार रहने वाला है लवमेट के रिश्तों में चल रही अनबन आज समाप्त हो जाएगी, किसी रेस्टोरेंट में खाना खाने जायेंगे।

मीन राशिरू आपकी ऊर्जा का स्तर अच्छा रहेगा। बढ़े हुए ऊर्जा के साथ आप कोई काम करेंगे तो कम समय में पूरा हो जाएगा। आज फर्नीचर खरीदने के लिए दिन शुभ है। वैवाहिक जीवन में नई–नई खुशियां

एलएसी पर तनाव, जिनपिंग का नया दांव, भारत को मनाने के लिए चीन ने भेजा अपना राजदूत

चीन ने 18 महीने से अपने राजदूत कि नियुक्त भारत में नहीं की। भारत में चीनी एबेंसी खाली पड़ी थी। इन सब के बीच अब चीन और भारत में बातचीत का कोई दौर नहीं रहा तो तनाव को कम करने के लिए चीन ने अपने राजदूत की नियुक्ति कर दी। वो भी तब जब चीन की तरफ से भारत के एक राज्य अरुणाचल प्रदेश को लेकर अपना दावा जताया था। इससे भी भारत खफा है।लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल यानी एलएसी पर भारत और चीन के बीच गजब का तनाव है और इस तनाव के बीच दोनों देशों के संबंध ा संकट के दौर से गुजर रहे हैं। तनाव को कम करने की कोशिश दोनों तरफ से सैन्य स्तर पर हुई। लेकिन पहली बार ऐसा हुआ कि चीन की तरफ से आधिकारिक स्तर पर राजनयिक स्तर पर हालात को सुधारने की कोशिश हो रही है। गलवान में भारतीय सेना और चीनी सेना के बीच झड़प के बाद से भारत और चीन के संबंध सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं। इस मुठभेड़ के बाद भारत में 59 चीनी एप्स को बैन किया गया। भारत लगातार चीन पर अपनी निर्भरता को घटाने में लगा हुआ है। इन सब के बीचचीन भारत में जी–20 सम्मेलन में शामिल नहीं हुआ। चीन ने 18 महीने से अपने राजदूत कि नियुक्त भारत में नहीं की। भारत में चीनी एबेंसी खाली पड़ी थी। इन सब के बीच अब चीन और भारत में बातचीत का कोई दौर नहीं रहा तो तनाव को कम करने के लिए चीन ने अपने राजदूत की नियुक्ति कर दी। वो भी तब जब चीन की तरफ से भारत के एक राज्य अरुणाचल प्रदेश को लेकर अपना दावा जताया था। इससे भी भारत खफा है।18 महीने बाद भारत में चीनी राजदूतभारत में चीन के नये राजदूत शू फेइहोंग दिल्ली पहुंच गए हैं। भारत में चीन के राजदूत का पद करीब 18 महीने से खाली था, जो चार दशकों में सबसे लंबा अंतराल

है। शू ने कहा कि चीन एक–दूसरे की चिंताओं को समझने और बातचीत के माध्यम से विशिष्ट मुद्दों का पारस्परिक रूप से स्वीकार्य समाधान खोजने के लिए भारत के साथ काम करने को तैयार है। उन्होंने पूर्वी लद्दाख में लंबे समय से जारी सैन्य गतिरोध के बीच यह बात कही है। दोस्ती को प्रगाढ़ बनाने का सर्वश्रेष्ठ प्रयास शूने सुन वेइदोंग की जगह ली है, जो भारत में अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद अक्टूबर 2022 में रवाना हो गए थे। शू का भारत आगमन पूर्वी लद्दाख में सैन्य गतिरोध को हल करने के लिए बीजिंग और नयी दिल्ली के बीच लंबी सैन्य व राजनयिक वार्ता के बीच हुआ है। उन्होंने कहा कि यह एक सम्मानजनक मिशन और महत्वपूर्ण ड्यूटी है। मैं दोनों देशों के बीच समझ और दोस्ती को प्रगाढ़ बनाने, विभिन्न क्षेत्रों में आदान–प्रदान और सहयोग बढ़ाने और द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाने व आगे ले जाने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करूंगा।

30 हजार फीट तक उड़ान, बम बरसाने में सक्षम, पाकिस्तान सीमा पर तैनाती, 7 दिन बाद सेना को मिलेगा पहला हर्मीस–900 स्टारलाइनर

रक्षा मंत्रालय द्वारा दी गई आपातकालीन शक्तियों के तहत पहला ड्रोन 18 मई को हैदराबाद में भारतीय सेना को सौंपा जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेना एक वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम (टैभ्व्‌।वै) और एक न्।ट–लॉन्च प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन (न्स्च्ळड) भी घ्ख्खरीदेगी। पाकिस्तान सीमा पर निगरानी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए एक रणनीतिक कदम में भारतीय सेना 18 मई को पहला हर्मीस–900 स्टारलाइनर ड्रोनहासिल करने की तैयारी कर रही है। हर्मीस–900 को दृष्टि कहा जाता है। –10, भारत के रक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए अदानी डिफेंस सिस्टम्स द्वारा आपूर्ति की जाती है। रक्षा मंत्रालय द्वारा दी गई आपातकालीन शक्तियों के तहत पहला ड्रोन 18 मई को हैदराबाद में भारतीय सेना को सौंपा जाएगा। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सेना एक वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम (टैभ्व्‌।वै) और एक न्।ट–लॉन्च प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन भी खरीदेगी।वेरी शॉर्ट रेंज एयर डिफेंस सिस्टम (टैभ्व्‌।वै) एक अत्याधुनिक, चौथी पीढ़ी, मानव–पोर्टेबल एयर–डिफेंस सिस्टम (ड।छच।वै) है जिसे मानव रहित हवाई वाहनों, हेलीकॉप्टरों जैसे कम ऊंचाई वाले हवाई खतरों का मुकाबला करने के लिए डिजाइन किया गया है। और लड़ाकू विमान. स्वदेशी रूप से विकसित, टैभ्व्‌।वै कम दूरी के हवाई खतरों को प्रभावी ढंग से बेअसर करने की भारत की क्षमता में एक महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतिनिधित्व करता है।यूएवी ने ड्रोन पर तैनाती के लिए तैयार की गई एक परिष्कृत मिसाइल प्रणाली प्रिसिजन गाइडेड म्यूनिशन (यूएलपीजीएम) लॉन्च की। यूएलपीजीएम विशेष रूप से मानव रहित हवाई वाहनों के लिए इंजीनियर की गई सटीक–निर्देशित युद्ध सामग्री (पीजीएम) मिसाइलों की श्रृंखला में उद्घाटन किस्त का प्रतीक है। यह भारत के ज।चौ ठभ और आर्चर एनजी यूएवी के लिए मानक च्ळड बनने की ओर अग्रसर है, जो भारत को ड्रोन–सक्षम सटीक स्ट्राइक क्षमताओं में सबसे आगे रखेगा।

रूस ने खार्किव में खोला जमीनी मोर्चा, यूक्रेन के संपर्क में अमेरिका

क्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कीव में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि रूस ने इस दिशा में जवाबी कार्रवाई की एक नई लहर शुरू कर दी है। अब इस दिशा में एक भयंकर लड़ाई चल रही है।रूसी सेना ने शुक्रवार को देश के उत्तर–पूर्व में यूक्रेन के दूसरे शहर खार्किव के पास एक बख्तरबंद जमीनी हमला किया और छोटे पैमाने पर घुसपैठ की, जिससे पूर्व और दक्षिण में लंबे समय से चल रहे युद्ध में एक नया मोर्चा खुल गया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र के सीमावर्ती इलाकों में लड़ाई तेज होने के कारण यूक्रेन ने अतिरिक्त सेनाएं भेजीं, साथ ही कहा कि रूस ने सीमावर्ती शहर वोवचांस्क पर निर्देशित हवाई बमों और तोपखाने से हमला किया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कीव में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि रूस ने इस दिशा में जवाबी कार्रवाई की एक नई लहर शुरू कर दी है। अब इस दिशा में एक भयंकर लड़ाई चल रही है। यूक्रेन ने क्षेत्र में रूस के जमावड़े की चेतावनी दी थी, जो संभावित रूप से किसी आक्रामक हमले की तैयारी या यूक्रेन के अत्यधिक ताकतवर और कम संख्या वाले रक्षकों को भटकाने और कुचलने की चाल का संकेत था। यह स्पष्ट नहीं था कि मॉस्को हमला करेगा या नहीं। अपने शाम के युद्धक्षेत्र अपडेट में यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने पहली बार कहा कि रूस भी सुमी के यूक्रेनी क्षेत्रों और चेर्निहाइव के कुछ हिस्सों के पास खार्किव के उत्तर में सेना का निर्माण कर रहा था। जेलेंस्की ने कहा है कि रूस इस वसंत या गर्मियों में एक बड़े आक्रामक हमले की तैयारी कर सकता है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कीव की सेनाएं शुक्रवार के हमले से निपटने के लिए तैयार थीं, लेकिन मॉस्को क्षेत्र में और सैनिक भेज सकता है। इसे भी पढ़ेंरू च्तमेपकमदज ॅमसमदोल की हत्या करने की रूसी साजिश को किया नाकामरू नतंपदमयूक्रेनी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूस ने सुबह करीब पांच बजे बख्तरबंद हमला किया। रात 10 बजे एक अपडेट में जनरल स्टाफ ने कहा कि खार्किव क्षेत्र में रूसी आक्रामक प्रयासों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए लड़ाई जारी रखी गई है। एक वरिष्ठ यूक्रेनी सैन्य सूत्र ने अपना नाम बताने से इनकार करते हुए कहा कि रूसी सेना वोवचांस्क के पास यूक्रेनी सीमा के अंदर 1 किमी (0.6 मील) तक घुस गई थी।

बाढ़ और बारिश ने मचाई भारी तबाही, 200 से अधिक लोगों की मौत, हजारों घर क्षतिग्रस्त हो गए

तालिबान सरकार के अधिकारियों ने कहा कि शुक्रवार रात तक 62 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने शनिवार को एक्स पर एक बयान में मृतकों और घायलों की संख्या में अंतर किए बिना कहा कि हमारे सैकड़ों साथी नागरिक इन विनाशकारी बाढ़ के कारण मारे गए हैं।संयुक्त राष्ट्र ने शनिवार को कहा कि उत्तरी अफगानिस्तान में अचानक आई बाढ़ के कारण एक ही प्रांत में 200 से अधिक लोगों की मौत हो गई। संयुक्त राष्ट्र के इंटरनेशनल ऑर्गनाइजेशन फॉर माइग्रेशन (आईओएम) ने एएफपी को बताया कि शुक्रवार को भारी बारिश के कारण बघलान प्रांत में 200 से अधिक लोग मारे गए और हजारों घर नष्ट हो गए या क्षतिग्रस्त हो गए। आईओएम

आपातकालीन प्रतिक्रिया नेतृत्व ने अफगानिस्तान राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा, अकेले बघलानी जदीद जिले में 1,500 घर क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए और 100 से अधिक लोग मारे गए।तालिबान सरकार के अधिकारियों ने कहा कि शुक्रवार रात तक 62 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रवक्ता जबीहुल्लाह मुजाहिद ने शनिवार को एक्स पर एक बयान में मृतकों और घायलों की संख्या में अंतर किए बिना कहा कि हमारे सैकड़ों साथी नागरिक इन विनाशकारी बाढ़ के कारण मारे गए हैं। अफगानिस्तान के कई प्रांतों में अचानक बाढ़ आ गई, उत्तरी तखर प्रांत के अधिकारियों ने शनिवार को 20 लोगों की मौत की सूचना दी। अधिकारियों ने कहा कि शुक्रवार को हुई बारिश से पूर्वोत्तर बदख्शां प्रांत, मध्य घोर प्रांत और पश्चिमी हेरात में भी भारी क्षति हुई। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि आपातकालीन कर्मियों को प्रभावित क्षेत्रों में तैनात किया गया है और वे घायल और फंसे हुए लोगों को बचाने के लिए दौड़ रहे हैं। अफगानिस्तान, जहा अपेक्षाकृत शुष्क सर्दी थी, जिससे मिट्टी के लिए वर्षा को अवशोषित करना अधिक कठिन हो गया जलवायु परिवर्तन के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। चार दशकों के युद्ध से तबाह हुआ यह देश दुनिया के सबसे गरीब देशों में से एक है और वैज्ञानिकों के अनुसार, ग्लोबल वार्मिंग के परिणामों का सामना करने के लिए सबसे खराब तैयार देशों में से एक है।

रूस ने खार्किव में खोला जमीनी मोर्चा, यूक्रेन के संपर्क में अमेरिका

क्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कीव में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि रूस ने इस दिशा में जवाबी कार्रवाई की एक नई लहर शुरू कर दी है। अब इस दिशा में एक भयंकर लड़ाई चल रही है।रूसी सेना ने शुक्रवार को देश के उत्तर–पूर्व में यूक्रेन के दूसरे शहर खार्किव के पास एक बख्तरबंद जमीनी हमला किया और छोटे पैमाने पर घुसपैठ की, जिससे पूर्व और दक्षिण में लंबे समय से चल रहे युद्ध में एक नया मोर्चा खुल गया। रक्षा मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र के सीमावर्ती इलाकों में लड़ाई तेज होने के कारण यूक्रेन ने अतिरिक्त सेनाएं भेजीं, साथ ही कहा कि रूस ने सीमावर्ती शहर वोवचांस्क पर निर्देशित हवाई बमों और तोपखाने से हमला किया था। यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कीव में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि रूस ने इस दिशा में जवाबी कार्रवाई की एक नई लहर शुरू कर दी है। अब इस दिशा में एक भयंकर लड़ाई चल रही है।यूक्रेन ने क्षेत्र में रूस के जमावड़े की चेतावनी दी थी, जो संभावित रूप से किसी आक्रामक हमले की तैयारी या यूक्रेन के अत्यधिक ताकतवर और कम संख्या वाले रक्षकों को भटकाने और कुचलने की चाल का संकेत था। यह स्पष्ट नहीं था कि मॉस्को हमला करेगा या नहीं। अपने शाम के युद्धक्षेत्र अपडेट में यूक्रेनी जनरल स्टाफ ने पहली बार कहा कि रूस भी सुमी के यूक्रेनी क्षेत्रों और चेर्निहाइव के कुछ हिस्सों के पास खार्किव के उत्तर में सेना का निर्माण कर रहा था। जेलेंस्की ने कहा है कि रूस इस वसंत या गर्मियों में एक बड़े आक्रामक हमले की तैयारी कर सकता है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि कीव की सेनाएं शुक्रवार के हमले से निपटने के लिए तैयार थीं, लेकिन मॉस्को क्षेत्र में और सैनिक भेज सकता है। यूक्रेनी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि रूस ने सुबह करीब पांच बजे बख्तरबंद हमला किया। रात 10 बजे एक अपडेट में जनरल स्टाफ ने कहा कि खार्किव क्षेत्र में रूसी आक्रामक प्रयासों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए लड़ाई जारी रखी गई है। एक वरिष्ठ यूक्रेनी सैन्य सूत्र ने अपना नाम बताने से इनकार करते हुए कहा कि रूसी सेना वोवचांस्क के पास यूक्रेनी सीमा के अंदर 1 किमी (0.6 मील) तक घुस गई थी।

भारत को लेकर अमेरिका से भिड़ा रूस, पन्नू मामले पर ढीले पड़े बाइडेन प्रशासन के तेवर

अमेरिका के वाशिंगटन पोस्ट में गुरवतपंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने में भारत को जिम्मेदार बताया। इसके बाद रूस ने इस रिपोर्ट को बेबुनियाद बताया। इसके बाद अमेरिकी विदेशी विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने भारत के चुनाव में दखल देने के आरोपों को खारिज कर दिया। खालिस्तानी गुरवतपंत सिंह पन्नू को लेकर अमेरिका और भारत में गजब का विवाद छिड़ा है। अमेरिका और भारत दोनों ही पूरे मामले को लेकर बहुत संजीदगी के साथ संयम बरतते हुए मामले को हैंडल कर रहे हैं। इन सब के बीच में रूस की एंट्री हुई तो अमेरिका भी सीधा हो गया। अमेरिका के तेवर भी भारत को लेकर अचानक ढीले पड़ गए। अमेरिका अब पन्नू मामले को लेकर भारत के पक्ष का इंतजार कर रहा है। रूस के एक बार फिर भारत का साथ देकर दुनिया में दोस्ती की मिसाल पेश कर दी। जहां अमेरिका ने भारत का विरोध करते हुए टिप्पणी की तो वहीं रूस ने भारत का साथ दिया। अमेरिका को भारत के आतंरिक मामले में दखल देने के लिए जिम्मेदार बताया। दरअसल, रूस का ऐसा कहना था कि अमेरिका भारत के आम चुनावों में दखल दे रहा है। अमेरिका के वाशिंगटन पोस्ट में गुरवतपंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश रचने में भारत को जिम्मेदार बताया। इसके बाद रूस ने इस रिपोर्ट को बेबुनियाद बताया। इसके बाद अमेरिकी विदेशी विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने भारत के चुनाव में दखल देने के आरोपों को खारिज कर दिया। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने अमेरिका पर लोकसभा चुनावों में हस्तक्षेप करने का आरोप लगाने वाले रूसी आरोपों का खंडन किया है। मिलर ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बिल्कुल नहीं, हम न ही भारत में जारी चुनावों में

शामिल हैं और न ही दुनिया में कहीं भी होने वाले चुनावों में। ये निर्णय भारत के लोगों को लेना है। इसके साथ ही मैथ्यू मिलर ने पन्नू मामले को लेकर भी बयान दिया। उन्होंने कहा कि सिख अलगाववादी गुरवतपंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश की जांच एक ऑनगोइंग लीगल मैटर है। जब तक ज्यूरी के सामने आरोप साबित नहीं हो जाते, तब तक वो कुछ नहीं कहेंगे। दरअसल, गुरवतपंत सिंह पन्नू अपनी भारत विरोधी गतिविधियों की वजह से चर्चा में रहता है उसके पास अमेरिका औ कनाडा दोनों की नागरिकता है भारत ने खालिस्तान आंदोलन के प्रमुख नेताओं में से एक पन्नू को आतंकवादी घोषित कर रखा है। अमेरिका का दावा है कि भारतीय अधिकारी ने गुरवतपंत सिंह पन्नू को मारने की कोशिश की। इस मामले की जांच चल रही है। इन सब के बीच विवाद तब बढ़ गया जब रूस ने इसमें एंट्री ले ली।

रफत में नहीं है हमास का प्रमुख याह्या सिनवार, रिपोर्ट में दावा– सुरंगों में छिपकर बचा रहा जान

इजराइल ने याह्या सिनवार को 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हमले का मास्टरमाइंड बताया है, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे, और 200 से अधिक अन्य का अपहरण कर लिया गया था। माना जाता है कि बाद के महीनों में इजराइल ने हमास के सैन्य विंग के डिप्टी कमांडर मारवान इस्सा को अन्य वरिष्ठ कमांडरों के साथ मार डाला। गाजा में हमास की राजनीतिक शाखा के नेता और इजराइल के सर्वाधिक वांछित व्यक्तियों में से एक, याह्या सिनवार, राफा में नहीं हैं, दो अधिकारियों ने कहा कि इजराइल गाजा के सबसे दक्षिणी शहर में अपने जमीनी हमले के साथ आगे बढ़ रहा है। दो अधिकारियों ने खुफिया जानकारी का हवाला देते हुए द टाइम्स ऑफ इजराइल को बताया कि हमास नेता राफा से लगभग पांच मील उत्तर में खान यूनिस क्षेत्र में भूमिगत सुरंगों में छिपा हुआ था। इजराइल के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि सिनवार अभी भी गाजा में है। मार्च में यह बताया गया कि याह्या सिनवार के करीबी रिश्तेदार राफा क्रॉसिंग के माध्यम से मिस्र चले गए। हमास के कई अन्य शीर्ष नेता भी अपने रिश्तेदारों और परिवार को गाजा से बाहर मिस्र में सुरक्षित क्षेत्रों में ले जाने में कामयाब रहे हैं। इजराइल ने याह्या सिनवार को 7 अक्टूबर, 2023 को दक्षिणी इजराइल पर हमले का मास्टरमाइंड बताया है, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे, और 200 से अधिक अन्य का अपहरण कर लिया गया था। माना जाता है कि बाद के महीनों में इजराइल ने हमास के सैन्य विंग के डिप्टी कमांडर मारवान इस्सा को अन्य वरिष्ठ कमांडरों के साथ मार डाला। हालाँकि, सिनवार और उनके डिप्टी, सैन्य विंग प्रमुख मोहम्मद डेफ का पता नहीं चला है। घटनाक्रम ऐसे समय में हुआ है जब इजराइल ने रफा में जमीनी आक्रमण शुरू कर दिया है और शहर के पूर्वी हिस्से में एक लक्षित अभियान शुरू किया है। इजराइल ने कहा है कि राफा हमास आतंकवादी समूह का आखिरी गढ़ था। राफा 12 किमी की सीमा पर स्थित है जो गाजा पट्टी को मिस्र से विभाजित करती है और गाजा से लोगों के लिए प्राथमिक निकास बिंदु है। यह गाजा की जीवन रेखा है क्योंकि माल और मानवीय सहायता सीमा से होकर गुजरती है। एपी की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, अक्टूबर 2023 में शुरू हुए इजराइल–गाजा युद्ध में मरने वालों की संख्या 34,500 से अधिक हो गई है, जिनमें से अधिकांश महिलाएं और बच्चे हैं।

पोर्नस्टार को धन देने से संबंधित मामले की सुनवाई के तीन सप्ताह पूरे

इस मामले में अब कोहेन की गवाही ली जानी है, जिन्होंने डेनियल्स को देने के लिए 1,30,000 अमेरिकी डॉलर का इंतजाम किया था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि उन्हें कब पेश किया जाएगा।अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा कथित तौर पर पोर्न स्टार को गुप्त रूप से पैसे देने के मामले की सुनवाई को शुक्रवार को तीन सप्ताह पूरे हो गए। इस दौरान न्यायाधीशों ने पोर्न स्टार स्टॉर्मी डेनियल्स की दलीलें सुनीं जबकि अभियोजक सबसे महत्वपूर्ण गवाह ट्रंप के पूर्व अटॉर्नी माइकल कोहेन से पूछताछ के लिए तैयार है। ट्रंप के साथ यौन संबंध को लेकर डेनियल्स की दलीलें इस मामले में अभियोजकों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं, जो यह दिखाने की कोशिश कर रहे हैं कि ट्रंप और उनके सहयोगियों ने 2016 के राष्ट्रपति चुनाव के दौरान इस मामले पर पर्दा डालने की कोशिश की थी। इस मामले में अब कोहेन की गवाही ली जानी है, जिन्होंने डेनियल्स को देने के लिए 1,30,000 अमेरिकी डॉलर का इंतजाम किया था। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं है कि

बिना पंत के आरसीबी के खिलाफ उतरेगी दिल्ली कैपिटल्स, रायल चैलेंजर्स के लिए करो या मरो का मुकाबला

चार मैच जीतकर प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरू को अपना दावा बनाये रखने के लिये रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हर हालत में हराना होगा जबकि दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत निलंबन के कारण इस मैच से बाहर रहेंगे। लगातार चार मैच जीतकर प्लेऑफ की दौड़ में बनी हुई रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु को अपना दावा बनाये रखने के लिये रविवार को इंडियन प्रीमियर लीग के मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हर हालत में हराना होगा जबकि दिल्ली के कप्तान ऋषभ पंत निलंबन के कारण इस मैच से बाहर रहेंगे। पंत को इंडियन प्रीमियर लीग के मौजूदा सत्र में तीन बार धीमी ओवर गति के कारण एक मैच का निलंबन झेलना पड़ा है।राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सात मई को दिल्ली कैपिटल्स की 20 रन की जीत के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए पंत पर 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। पंत की गैर मौजूदगी से आरसीबी को फायदा मिलेगा जबकि दिल्ली के लिये यह बड़ा झटका है। आरसीबी ने गुजरात टाइटंस को दो बार हराने के अलावा पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद को हराया है। गुजरात और पंजाब से आरसीबी को कोई चुनौती नहीं मिली और सनराइजर्स को उसने करीबी मुकाबले में हराया। दूसरी ओर दिल्ली के प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव रहा है। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली टीम ने 27 अप्रैल को मुंबई इंडियंस पर दस रन से मिली जीत में चार विकेट पर 257 रन बनाये थे तो 29 अप्रैल को कोलकाता नाइट राइडर्स के खिलाफ नौ विकेट पर 153 रन ही बना सकी। आरसीबी 12 मैचों में 10 अंक लेकर सातवें स्थान पर है और अब हारने से उसके लिये रास्ते बंद हो जायेंगे।ए लगातार चार जीत और विराट कोहली के जबर्दस्त फॉर्म के दम पर उसके हौसले बुलंद है। कोहली ने इस सत्र में सर्वाधिक 634 रन बना लिये हैं और उनका स्ट्राइक रेट 153 का रहा है। कोहली के अलावा कप्तान फाफ डु प्लेसी, रजत पाटीदार, कैमरन ग्रीन और दिनेश कार्तिक ने भी अच्छी पारियां खेली हैं। गेंदबाजों ने भी शुरूआती मैचों के औसत प्रदर्शन के बाद अपना काम बखूबी किया है। पिछले चार मैचों में मोहम्मद सिराज ने अपनी लय हासिल कर ली जबकि यश दयाल और स्पिनर स्वप्निल सिंह भी उपयोगी साबित हुए हैं। पंजाब के खिलाफ मैच के बाद सिराज और दयाल का इकॉनामी रेट इस सत्र में पहली बार दस के नीचे गया। इस सत्र में लग रहे रनों के पहाड़ के बीच इसे अच्छा प्रदर्शन कहा जायेगा। इनकी परीक्षा दिल्ली के जैक फ्रेसर मैकगुर्क के सामने होगी जो 235 . 87 के स्ट्राइक रेट से सात मैचों में 309 रन बना चुके हैं। डेविड वॉर्नर ने सात मैचों में 135 की स्ट्राइक रेट से 167 रन बनाये थे और चोट के कारण उनके बाहर होने के बाद मैकगुर्क खेल रहे हैं। सलामी बल्लेबाज अभिषेक पोरेल ने भी 157 की स्ट्राइक रेट से रन बनाये हैं लेकिन प्रदर्शन में निरंतरता नहीं दिखी।कप्तान पंत और ट्रिस्टन स्टब्स ने अच्छी पारियां खेली है लेकिन आरसीबी के खिलाफ पंत के बिना स्टब्स पर दबाव अधिक होगा। गेंदबाजी में दिल्ली का पलड़ा भारी है। उसके पास कुलदीप यादव और अक्षर पटेल जैसे स्पिनर हैं जो मिलकर 24 विकेट ले चुके हैं। उनका इकॉनॉमी रेट भी नौ से कम रहा है। तेज गेंदबाज खलील अहमद 14 और मुकेश कुमार 15 विकेट ले चुके हैं और दिल्ली को उनसे शुरूआती सफलताओं की उम्मीद होगी। टीमें इस प्रकार है– रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु फाफ डु प्लेसी (कप्तान), ग्लेन मैक्सवेल, विराट कोहली, रजत पाटीदार, अनुज रावत, दिनेश कार्तिक, सुयश प्रभुदेसाई,

पंत धीमी ओवर गति से जुड़े निलंबन के कारण आरसीबी के खिलाफ नहीं खेलेंगे

आईपीएल से जारी बयान के मुताबिक, ''दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर सात मई 2024 को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ धीमी ओवर गति के कारण आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया है और उन्हें एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है।''नयी दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ रविवार को होने वाले अहम मैच में नहीं खेलेंगे क्योंकि उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मौजूदा सत्र में तीन बार धीमी ओवर गति के कारण एक मैच का निलंबन झेलना पड़ा है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सात मई को दिल्ली कैपिटल्स की 20 रन की जीत के दौरान आचार संहिता के उल्लंघन के लिए पंत पर 30 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया गया था। दिल्ली कैपिटल्स की टीम इस मैच के आखिरी ओवर में तय समय से 10 मिनट पीछे थी। आईपीएल से जारी बयान के मुताबिक, ''दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर सात मई 2024 को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ धीमी ओवर गति के कारण आईपीएल आचार संहिता का उल्लंघन करने के लिए जुर्माना लगाया गया है और उन्हें एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है।'' दिल्ली की टीम को इससे पहले सत्र की शुरुआत में चेन्नई सुपर किंग्स (31 मार्च) और कोलकाता नाइट राइडर्स (तीन अप्रैल) के खिलाफ धीमी ओवर का दोषी पाया गया था। आईपीएल के बयान के मुताबिक,''न्यूनतम ओवर–रेट अपराधों से संबंधित आईपीएल की आचार संहिता के तहत यह उनकी टीम का मौजूदा सत्र का तीसरा अपराध है, इसलिए ऋषभ पंत पर 30 लाख रुपये के जुर्माना लगाया गया है और एक मैच के लिए निलंबित कर दिया गया है।'' इस मामले में दिल्ली की टीम के अन्य खिलाड़ियों को पर भी इस मामले में जुर्माना लगाया गया है। उन्होने कहा, ''इम्पैक्ट प्लेयर सहित शुरुआती एकादश के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 12 लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 50 प्रतिशत, जो भी कम हो, जुर्माना लगाया गया।'' दिल्ली कैपिटल्स ने मैच रेफरी के इस फैसले को चुनौती देते हुए एक अपील दायर की जिसे समीक्षा के लिए बीसीसीआई लोकपाल के पास भेजा गया। लोकपाल ने ऑनलाइन माध्यम से इस मामले की सुनवाई की और कहा कि मैच रेफरी का निर्णय अंतिम और सर्वमान्य है। दिल्ली की टीम तालिका में पांचवें स्थान पर है जबकि आरसीबी सातवें पायदान पर है। दोनों टीमें प्लेऑफ में जगह बनाने की दौड़ में बनी है।

दिल्ली कैपिटल्स को लगा बड़ा झटका, पंत पर लगा आईपीएल में एक मैच के लिए बैन

दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन करने के लिए एक मैच के लिए बैन किया गया है। दरअसल, पंत की टीम ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के मैच नंबर 56 के दौरान स्लो ओवर रेट के तहत गेंदबाजी की थी। ये मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में 7 मई 2024 को खेला गया था। आईपीएल 2024 खेल रही दिल्ली कैपिटल्स टीम को तगड़ा झटका है। दरअसल, कप्तान ऋषभ पंत को एक मैच के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मैच में दिल्ली कैपिटल्स के स्लो ओवर रेट अपराध के कारण पंत को एक मैच के लिए बैन किया गया है। साथ ही उन पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। पूरा मामला क्या है तो वह समझ लीजिए, दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत पर आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट का उल्लंघन करने के लिए एक मैच के लिए बैन किया गया है। दरअसल, पंत की टीम ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग 2024 के मैच नंबर 56 के दौरान स्लो ओवर रेट के तहत गेंदबाजी की थी। ये मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में 7 मई 2024 को खेला गया था। बता दें कि, पंत ने मिनिमम ओवर रेट से संबंधित ऑफेंस के तहत आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के तहत पंत की टीम का इस सीजन का ये तीसरा अपराध था, इसलिए ऋषभ पंत पर 30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया और एक मैच के लिए बैन किया गया। अब इम्पैक्ट प्लेयर सहित प्लेइंग इलेवन के बाकी सदस्यों पर व्यक्तिगत रूप से 12 लाख रुपये या उनकी संबंधित मैच फीस का 50 प्रतिशत जो भी कम हो जुर्माना लगया गया है।

एमएस धोनी के लिए फैन की दिवानगी, सिक्योरिटी को चकमा देकर मैदान में घुसकर छुए माही के पैर

एक फैन सिक्योरिटी को चकमा देकर मैदान के अंदर घुस गया। वह एमएस धोनी के पास पहुंचा और उनके पैर छुए। फैन ने अपना माथा धोनी के सामने टेका फिर धोनी ने फैन को उठाकर गले लगाया और उसके गले में हाथ डालकर उसे कुछ बोलते हुए अपने साथ आगे ले गए। इतनी देर में सुरक्षाकर्मी मैदान में पहुंच गए और फैन को खींचने लगे। एमएस धोनी की फैन फॉलोइंग किसी से छिपी नहीं है। भारत के किसी भी कौने में धोनी पहुंच जाए तो उनके प्रति लोगों में दिवानगी देखते बनती है। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में शुक्रवार को एक बार फिर आईपीएल मैच में एमएस धोनी के फैन की दिवानगी देखने को मिली। दरअसल, एक फैन सिक्योरिटी को चकमा देकर मैदान के अंदर घुस गया। वह एमएस धोनी के पास पहुंचा और उनके पैर छुए। फैन ने अपना माथा धोनी के सामने टेका फिर धोनी ने फैन को उठाकर गले लगाया और उसके गले में हाथ डालकर उसे कुछ बोलते हुए अपने साथ आगे ले गए। इतनी देर में सुरक्षाकर्मी मैदान में पहुंच गए और फैन को खींचने लगे। इस दौरान धोनी ने सुरक्षाकर्मियों को हाथ से रोका और फैन को उनके साथ सुरक्षित बाहर भेजा। माही के इस अंदाज पर उनके फैंस जमकर उनकी तारीफ कर रहे हैं। जिसके बाद उनका ये वीडियो भी सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। फिलहाल, गुजरात टाइटंस के खिलाफ भले ही चेन्नई मुकाबला हार गई हो। लेकिन धोनी ने अपनी बल्लेबाजी से दर्शकों का मनोरंजन किया। 42 साल के धोनी ने केवल 11 गेंदों में एक चौके और तीन छक्के की मदद से नाबाद 26 रन बनाए।

जल्द क्रिकेट को कहेंगे अलविदा! वेस्टइंडीज के खिलाफ घर में खेल सकते हैं आखिरी मैच

एंडरसन जल्द ही क्रिकेट को अलविदा कहने वाले हैं। इस साल इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज और श्रीलंका की मेजबानी करेगी। इन दोनों सीरीजों में एक मैच एंडरसन के घर ओल्ड ट्रेफर्ड में होगा और ये मैच एंडरसन का आखिरी मैच हो सकता है। इंग्लैंड के लिए टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट हासिल करने वाले तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को लेकर अक्सर ये बातें होती हैं कि वह क्रिकेट को अलविदा कब कहेंगे? लेकिन अब ऐसा लगता है कि एंडरसन ने क्रिकेट को अलविदा कहने का मन बना लिया है। 41 साल के दिग्गज गेंदबाज लगातार टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं लेकिन एक शख्स के कारण उन्होंने संन्यास का फैसला कर लिया है। ंग्रेजी अखबार द गर्जियन की रिपोर्ट के मुताबिक एंडरसन जल्द ही क्रिकेट को अलविदा कहने वाले हैं। इस साल इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज और श्रीलंका की मेजबानी करेगी। इन दोनों ीरीजों में एक मैच एंडरसन के घर ओल्ड ट्रेफर्ड में होगा और ये मैच एंडरसन का आखिरी मैच हो सकता है। अखबार की रिपोर्ट की मानें तो

आयरलैंड से हार के बाद पाक पूर्व कप्तान ने जताई चिंता, कहा– बाबर आजम को दोबारा कप्तानी सौंपना...

पूर्व कप्तान राशिद लतीफ का मानना है कि शाहीन अफरीदी को टी20 कप्तानी से हटाकर गलत फैसला लिया गया है। लतीफ ने अपने यूट्यूब चौनल पर कहा कि, न्यूजीलैंड के बाद से गेंदबाजी पाकिस्तान को निराश कर रही है। शाहीन अफरीदी को कप्तानी से हटाने के बाद से समस्याएं देखी जा सकती हैं। बाबर आजम की कप्तानी में पाकिस्तान टीम का पिछले कुछ समय से निराशाजनक प्रदर्शन कर रही है। न्यूजीलैंड की कमजोर टीम से सीरीज ड्रॉ करने के बाद बाबर एंड कंपनी ने आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज का पहला मैच गंवा दिया, जिसके बाद टीम की आलोचनाएं शुरू हो गई हैं। इस बीच पूर्व पाक कप्तान ने शाहीन अफरीदी को कप्तानी से

शहद खाने से पहले इस तरह कर लें उसकी शुद्धता की पहचान

शहद सेहत के लिए अमृत जैसा है, लेकिन अगर यही शहद असली के बजाय नकली मिल जाए, तो जगह का काम भी कर सकता है. आइये जानते शहद की शुद्धता को जांचने के लिए आसान तरीके.शहद को चीनी का एक बेहतरीन विकल्प माना जाता है. फिर भी इसे खाने में डर लगता है क्योंकि कमी शहद में नहीं है, बल्कि समस्या इसके गुणवत्ता की है. बिना मिलावट वाला शहद ढूंढना काफी चुनौतीपूर्ण काम है. इसलिए हम आपको कुछ तरीके बताने जा रहे हैं, जिनकी मदद से आप अपने शहद के शुद्धता की जांच कर सकते हैं. थम्ब टेस्ट –अपने अंगूठे पर थोड़ा शहद लें और ध्यान से देखें कि क्या यह किसी दूसरे लिक्विड पदार्थ की तरह उंगली के चारों ओर फैल रहा है. अगर ऐसा होता है, तो समझ जाइये कि यह शुद्ध नहीं है. वॉटर टेस्ट –एक चम्मच शहद लें और एक गिलास पानी में डालें. नकली शहद घुल जाएगा, जबकि शुद्ध शहद गिलास के निचले भाग में जम जाएगा.फ्लेम टेस्ट– शुद्ध शहद ज्वलनशील होता है. लेकिन हम आपसे अनुरोध करते हैं कि आप इस टेस्ट को बहुत ही सावधानी के साथ और अपने जोखिम पर करें.सिरके का प्रयोग करें– एक बड़ा चम्मच शहद, थोड़ा पानी और सिरके की 2–3 बूंदें मिलाएं. अगर इस मिश्रण में झाग बनता है, तो इसके मिलावटी होने की संभावना है. हीट टेस्ट– अगर आप शुद्ध शहद को गर्म करते हैं, तो यह कैरामेलाइज हो जाएगा और झागदार नहीं बनेगा. वहीं अगर यह अशुद्ध होगा, इसे गर्म करने पर यह बुलबुलेदार हो सकता है.

गर्मियों में पी रहे हैं इस तरह के ड्रिंक्स, तो हो जाएं थोड़ा सावधान

गर्मी के दौरान हम खाने से ज्यादा कुछ ठंडा और हेल्दी पीने की इच्छा रखते हैं, लेकिन बहुत से लोग इस बात से अंजान हैं कि कुछ ड्रिंक्स ऐसे हैं, जो हाइड्रेट रखने के बजाय शरीर को डिहाइड्रेट करते हैं. जानें. पैकेज्ड नारियल पानी एक तरफ जहां ताजा नारियल पानी फायदों से भरपूर है, वहीं, दूसरी तरफ पैकेज्ड नारियल पानी उतना ही हानिकारक है, जिसे खाने से बचना चाहिए. क्योंकि इनमें चीनी और सोडियम की मात्रा होती है जो शरीर में पानी के स्तर को कम कर सकता है.
स्मूथीज कहा जाता है कि मिठास, फ्लेवर्ड दही या जूस के रूप में एक्स्ट्रा चीनी से भरपूर हाई–प्रोटीन स्मूदी में डिहाइड्रेट करने वाले प्रभाव होते हैं. गहरे रंग का यूरीन और अस्पष्ट थकान डिहाइड्रेशन के संकेत हैं जिन पर ध्यान देना चाहिए.
एनर्जी ड्रिंक पैकेज्ड एनर्जी ड्रिंक्स में काफी ज्यादा मात्रा में कैफीन, चीनी और अन्य एनर्जेटिक पदार्थ होते हैं, जो शरीर को निर्जलित बनाते हैं.
कार्बोनेटेड ड्रिंक्स कोल्ड ड्रिंक और स्पार्कलिंग वॉटर जैसे कार्बोनेट ड्रिंक्स का सेवन कम मात्रा में करना चाहिए. इन ड्रिंक्स के अत्यधिक सेवन से सूजन हो सकती है और शरीर भी डिहाइड्रेट हो सकता है.
चीनी युक्त ड्रिंक्स गर्मियों के महीनों के दौरान आमतौर पर पैक किए गए फ्रूट जूस और सोडा का अधिक मात्रा में सेवन किया जाता है, जिससे शरीर के टिशूज से पानी निकल जाता है और यह डिहाइड्रेशन को बढ़ावा देता है.
कैफीन चाय और कॉफी जैसे ड्रिंक्स भी डिहाइड्रेशन का कारण बन सकते हैं. जबकि कैफीन हल्के डाइयूरेटिक के रूप में काम करता है, लेकिन फिर भी यूरीन प्रोडक्शन को बढ़ावा देता है, जिससे डिहाइड्रेशन होता है. शराब कहा जाता है कि शराब में डाइयूरेटिक इफेक्ट होता है, जिसका मतलब है कि वे ये यूरीन प्रोडक्शन को बढ़ाते हैं, जो डिहाइड्रेशन का कारण बन सकते हैं.

श्रेयस तलपड़े–विजय राज की कर्तम भुगतम का ट्रेलर जारी, सभी को कर्मों का फल यहीं भुगतना होगा...

श्रेयस तलपड़े और विजय राज की आगामी मनोवैज्ञानिक थ्रिलर फिल्म कर्तम भुगतम का दमदार ट्रेलर जारी हो चुका है। यह फिल्म कर्म और भाग्य की रोमांचक यात्रा पर ले जाएगी। दिलचस्प ट्रेलर एक ऐसी दुनिया की झलक पेश करता है, जहां मानव मनोविज्ञान ज्योतिष के रहस्यों से टकराता है। कर्तम भुगतम कर्म के जटिल जाल को दिखाता है और इस शाश्वत सत्य को साबित करता है कि कर्मों के परिणाम होते हैं।

टीजर एक ऐसी कहानी की ओर इशारा करता है, जो सदियों पुरानी सच्चाई को दिखती है। हर कार्य का एक परिणाम होता है। ट्रेलर में देखने को मिला की श्रेयस तड़पड़े का किरदार हंसी–खुशी जिंदगी जी रहा होता है, लेकिन अचानक उसके जीवन में कुछ ऐसी घटनाएं घटती हैं, जिसके बाद वह हताश हो जाता है और जब उनसे कहीं से उम्मीद नहीं मिलती तो वह ज्योतिषी के कर्म और भाग्य के खेल के जाल में फंस जाता है।

श्रेयस का किरदार समाधान पाने के लिए ज्योतिषी बने विजय राज के पास पहुंच जाता है, जो कर्म और उसके फल के बारे में बता रहा है। उन्होंने कहा कि जो होना है वो होकर रहेगा। जन्म, मृत्यु सब लिखी होती है, जो किया वो कर्म है, जो कर रहा है, वो धर्म है और जो होगा, वो कर्तम भुगतम। ज्योतिष और कर्म के प्राचीन सार्वभौमिक सत्यों को जोड़ते हुए फिल्म यह बताने की कोशिश करेगी कि कैसे हर काम के कुछ निश्चित परिणाम होते हैं, जैसी कि सदियों पुरानी हिंदी कहावत है कि जैसा करोगे, वैसा भरोगे। काल और लक

जैसी फिल्में बना चुके सोहम ने इस फिल्म का निर्देशन किया है। श्रेयस के अलावा फिल्म में विजय राज, मधु और अक्षा परदासानी जैसे प्रतिभाशाली कलाकार भी दिखेंगे। मेकर्स का दावा है कि कर्तम भुगतम एक ऐसी साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जो दर्शकों को शुरू से अंत तक अपनी सीटों से बांधे रखेगी। यह फिल्म 17 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म का निर्माण गांधार फिल्म्स एंड स्टूडियो प्राइवेट की ओर से किया गया है। इस फिल्म को पूरे भारत में हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

चियान विक्रम के बेटे ध्रुव की नई फिल्म का ऐलान, सामने आया बायसन का धांसू पोस्टर

साउथ सुपरस्टार चियान विक्रम की मोस्ट अवेटेड फिल्म थांगलान की रिलीज से पहले एक्टर के फैंस को बड़ा तोहफ मिला है. विक्रम के बेटे ध्रुव विक्रम की नई फिल्म का एलान हुआ है. इससे पहले फिल्म से दो पोस्टर सामने आए थे, जिन्होंने विक्रम के फैंस की बैचेनी बढ़ा दी थी. अब इन पोस्टर्स पर्दा हट चुका है और फिल्म के नाम का खुलासा हो चुका है. फिल्म का नाम बायसन है और फिल्म से एक पोस्टर भी जारी हुआ है. इस पोस्टर में ध्रुव अपने घुटने को बल सिर नीचे करे बैठे हैं और उनके पीछे एक जंगली बैल का बड़ा सा स्टैच्यू है. इस फिल्म को मारी सेल्वाराज डायरेक्ट करने जा रहे हैं. ध्रुव ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट शेयर कर लिखा है, बायसन, उन सभी के लिए जो मेरे इंतजार में थे, इस निरंतर सपोर्ट और धैर्य के लिए धन्यवाद, अपनी तीसरी फिल्म और विजनरी डायरेक्टर मारी सेल्वाराज के साथ नई फिल्म की शूटिंग शुरू कर मैं बहुत उत्साहित हूं, बायसन की आज से शूटिंग शुरू. बता दें, ध्रुव ने साल 2019 में फिल्म आदित्य वर्मा से फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था. इसके बाद वह वर्मा (2020) में दिखे. फिल्म स्टार फादर विक्रम की फिल्म महान (2022) में नजर आए. अब वह बतौर एक्टर अपनी नई फिल्म बायसन (2024) में नजर आने वाले हैं. बता दें, विक्रम अपनी तमिल फिल्म थंगलान से लंबे समय से चर्चा में हैं. इस फिल्म की शूटिंग लंबे अरसे से चल रही है और फिल्म की कई बार रिलीज डेट टल चुकी है और अभी तक फिल्म की अगली डेट का एलान नहीं किया गया है. फिल्म की कहानी भारत में ब्रिटिशर्स के दौरान कोलर गोल्ड फील्ड में होने वाली काम पर बेस्ड है. फिल्म में विक्रम लीड रोल में हैं और उनके साथ एक्ट्रेस पार्वती और मालविका मोहनन दिखेंगी. इस फिल्म को पा रंजीत ने डायरेक्ट किया है.

थियेटर के बाद सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म योद्धा ने ओटीटी प्लेटफार्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दी दस्तक

अभिनेता सिद्धार्थ मल्होत्रा की फिल्म योद्धा को इसी साल 15 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज किया गया था।लगभग 55 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 32.45 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार किया था।अब योद्धा ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक दे चुकी है।ऐसे में जो दर्शक इस फिल्म को सिनेमाघरों में नहीं देख पाए, वह अब इसे घर बैठे आराम से ओटीटी पर देख सकते हैं। योद्धा का निर्देशन सागर अम्ब्रे और पुष्कर ओझा ने किया है। फिल्म की कहानी सागर अम्ब्रे ने लिखी है।हीरू यश जौहर, करण जौहर, अपूर्व मेहता और शशांक खेतान इस फिल्म के निर्माता हैं।योद्धा में सिद्धार्थ की जोड़ी पहली बार राशि खन्ना के साथ बनी है। दिशा पाटनी ने भी इस फिल्म में अपनी अदाकारी का तडका लगाया है।योद्धा धर्मा प्रोडक्शंस की पहली एरियल एक्शन फ्रैंचाइजी है, जिसकी कहानी एक प्लेन हाइजैक पर आधारित है।रोमांचक एक्शन–ड्रामा का निर्देशन सागर अंब्रे और पुष्कर ओझा की नवोदित निर्देशक जोड़ी द्वारा किया गया है. वहीं मेंटर डिसिप्लिन एंटरटेनमेंट के एसोसिएशन से प्राइम वीडियो और अपूर्व मेहता और शशांक खेतान ने प्रोड्यूस की गई हैयोद्धा एक फौजी,

धर्मा प्रोडक्शन द्वारा प्रेजेंट ये फिल्म हीरू यश जौहर, करण जौहर, अरुण कात्याल (सिद्धार्थ मल्होत्रा द्वारा अभिनीत) की कहानी है.

विजय देवराकोंडा के फैंस को एक और बड़ा तोहफा, हुआ नई पीरियड फिल्म का ऐलान

अर्जुन रेड्डी स्टार विजय देवराकोंडा के 35वां बर्थडे के मौके पर एक्टर की दूसरी फिल्म वीडी 14 का ऐलान हुआ है. मैत्री मूवी मेकर्स ने एक्टर को बर्थडे विश कर उनके फैंस को बड़ा तोहफा दिया है. मेकर्स ने बीती 8 मई को एलान किया था कि वह 9 मई को एक्टर के फैंस को बड़ा तोहफा देंगे. वहीं, मेकर्स ने अपने ऑफिशियल एक्स हैंडल पर एक्टर की नई फिल्म का एलान किया है. साथ ही एक

पोस्टर भी छोड़ा है. इसके साथ ही फिल्म से जुड़ी अहम जानकारी भी शेयर की है.मैत्री मूवी मेकर्स ने विजय देवराकोंडा की नई फिल्म वीडी14 से एक पोस्टर शेयर कर लिखा है, महानता लिखी नहीं जाती है, बल्कि हीरो उसे लेकर पैदा होता है, पेश है, वीडी14 द लीजेंड ऑफ द कर्स्ड लैंड, विजय देवराकोंडा को जन्मदिन मुबारक, फिल्म को राहुल संकृतियन डायरेक्ट करेंगे और फिल्म के प्रोड्यूसर मैत्री मूवी मेकर्स. बता दें, यह एक पीरियड ड्रामा फिल्म है,

मैदान और बीएमसीएम की दैनिक कमाई चौथे सप्ताह में भी जारी, अब श्रीकांत से होगा सामना

अक्षय कुमार और टाइगर ऑफ की फिल्म बड़े मियां छोटे मियां बेशक बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद की मुताबिक कमाई नहीं सकी, लेकिन यह रिलीज के चौथे सप्ताह में भी अपनी पकड़ मजबूत बनाए हुए है।इसके अलावा चौथे सप्ताह में अजय देवगन और प्रियामणि की फिल्म मैदान का खुमार भी दर्शकों के सिर चढकर बोल रहा है।अब इन दोनों फिल्मों को टक्कर देने के लिए राजकुमार राव की फिल्म श्रीकांत सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है।बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, बड़े मियां छोटे मियां ने रिलीज के 29वें दिन (चौथे गुरुवार) 20 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 64.70 करोड़ रुपये हो गया है।अली अब्बास जफर के निर्देशन में बनी इस फिल्म में पृथ्वीराज सुकुमारन भी हैं।मानुषी छिल्लर, सोनाक्षी सिन्हा और अलाया एफ भी इस फिल्म का अहम हिस्सा हैं।350 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म को जल्द सिनेमाघरों से जल्द हटाया जाएगा।

बॉक्स ऑफिस ट्रैकर सैकनिल्क के मुताबिक, 29वें दिन यानी चौथे गुरुवार को मैदान ने 40 लाख रुपये का कारोबार किया, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 50.20 करोड़ रुपये हो गया है।मैदान की कहानी फुटबॉल कोच सैयद अब्दुल रहीम पर आधारित है, जिनके मार्गदर्शन में भारतीय फुटबॉल टीम ने 1951 और 1962 के एशियाई खेलों में जीत हासिल की थी।सिनेमाघरों में कमाई करने के बाद यह स्पोर्ट्स ड्रामा फिल्म अमेजन प्राइम वीडियो पर दस्तक दे सकती है।

हीरामंडी में इंटीमेट सीन की वजह से इस परेशानी का शिकार हुई श्रुति शर्मा, एक्ट्रेस ने सुनाई आपबीती

एक्ट्रेस श्रुति शर्मा ने हीरामंडीरू द डायमंड बाजार में 'साइमा' के किरदार से लाखों दिल जीत लिए हैं। उनकी सादगी, शान और गायन कौशल ने उनके फैंस के मन में एक खूबसूरत जगह बना ली। हालाँकि, उनके काम की बात करें तो श्रुति ने 2019 में टेलीविजन सीरीज गठबंधन से अपने अभिनय की शुरुआत की थी। इससे पहले, एक्ट्रेस 2018 में रियलिटी शो इंडियाज नेक्स्ट सुपरस्टार्स में एक कंटेस्टेंट के तौर पर दिखाई दी थी। इसके बाद, वह 2021 में रिलीज हुई हिंदी फिच्ल्म पगलैट में नजर आईं और अबू धाबी टेलीविजन के साथ अपने पहले अंतर्राष्ट्रीय प्रोजेक्ट पर भी काम किया।अब, हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में, श्रुति शर्मा ने हीरामंडीरू द डायमंड बाजार में डायरेक्टर, संजय लीला भंसाली के साथ काम करने के अपने अनुभव का खुलासा किया। खैर, साइमा के किरदार के बारे में बात करते हुए, वह 'मल्लिकाजान' (मनीषा कोइराला) की बेटी, 'आलमजेब' (शर्मिन सहगल) की एक खास नौकरानी के रूप में दिखाई देती हैं।उसी बातचीत में, श्रुति ने संजय के साथ काम करने के अपने अनुभव के बारे में बहुत कुछ बताया। फिर, उनसे उनके और रजत कौल के बीच रोमांटिक सीन के बारे में भी पूछा गया, जिन्होंने 'इकबाल' (मल्लिकाजान के गाड़ीवान) का किरदार निभाया था। सीन में, वे दोनों रोमांटिक रूप से शामिल होते हुए बातचीत करते हैं। हालाँकि, यह सब एक घोड़े के अस्तबल में किया गया था, और उन्हें सूखी घास से भरी गाड़ी पर लुढकना था। इसी बारे में बात करते हुए, श्रुति ने बताया कि उनके और रजत कौल के बीच अंतरंग सीन की शूटिंग पूरे एक दिन तक चली थी। इसलिए, फिल्मांकन के बाद, उनके शरीर पर लाल निशान आ गए, और उनका काजल धूल और गंदगी से सना हुआ था। हालाँकि, फिर भी, यह सीन उनके दिल में एक खास जगह रखता है।

ईशा देओल ने अभय देओल के साथ शेयर की खूबसूरत तस्वीर, सभी भाई-बहनों के बीच मिटी दूरियां

ईशा देयोल ने अपने सोशल मीडिया पर अपने साथ देयोल सदस्य की तस्वीर डाली, और घर में श्डीश कोई और नहीं बल्कि अभय देयोल हैं। ईशा देओल ने अपने भाई अभय के साथ एक अनदेखी मनमोहक तस्वीर साझा की और उल्लेख किया कि उन्होंने एक साथ सप्ताहांत कैसे बिताया। ईशा देयोल ने अपने सोशल मीडिया पर अपने साथ देयोल सदस्य की तस्वीर डाली, और घर में श्डीश कोई और नहीं बल्कि अभय देयोल हैं। ईशा देओल ने अपने भाई अभय के साथ एक अनदेखी मनमोहक तस्वीर साझा की और उल्लेख किया कि उन्होंने एक साथ सप्ताहांत कैसे बिताया। सनी देओल और बॉबी देओल की तुलना में ईशा हमेशा अभय और अपने चाचा अजीत देओल के साथ एक अच्छा रिश्ता साझा करने

के बारे में मुखर रही हैं। ईशा और अभय लगभग एक ही उम्र के हैं और इसलिए वे एक–दूसरे के साथ सहज हैं।ईशा देओल के अपने सौतेले भाइयों सनी देओल और बॉबी देओल के साथ रिश्ते के बारे में बात करें तो वे मधुर रहे हैं लेकिन उनके बीच हमेशा एक पुल रहा है। लेकिन पिछले साल उन्होंने पुल भी तोड़ दिया और सनी ने खुशी से अपनी सौतेली बहनों ईशा और अहाना देओल को गदर 2 की सफलता की पार्टी में आमंत्रित किया, और यह पहली बार था कि उन्हें सार्वजनिक रूप से एक साथ क्लिक किया गया था।ईशा ने अक्सर सनी और बॉबी के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध होने का दावा किया था, वास्तव में, हाल ही में हेमा मालिनी ने भी खुलासा किया था कि सनी और बॉबी हमेशा रक्षा बंधन के अवसर पर अपनी बहनों से मिलने जाते थे। अभी कुछ दिन पहले, हेमा और धर्मेंद्र ने अपनी शादी के 44 साल पूरे होने का जश्न मनाया, हेमा मालिनी और ईशा देओल ने जश्न की तस्वीरें साझा कीं, जहां प्रशंसकों ने देओल बंधुओं को इसका हिस्सा बनने से चूक गए। बीएल ने आपको विशेष रूप से सूचित किया कि यह पूरी तरह से पेशेवर था और कुछ भी व्यक्तिगत नहीं था।

फिल्म सवी ए ब्लडी हाउसवाइफ का नया टीजर जारी, दिव्या खोसला कुमार का दिखा खूंखार रूप

अनिल कपूर और दिव्या खोसला कुमार की आगामी फिल्म सवीरू ए ब्लडी हाउसवाइफ का दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।यह फिल्म 31 मई, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने को तैयार है।इससे पहले निर्माताओं ने बीते दिन सवीरू ए ब्लडी हाउसवाइफ का पहला

टीजर जारी किया गया था, जिसमें दिव्या का दमदार अवतार देखने को मिला।अब फिल्म का दूसरा टीजर सामने आ चुका है, जिसमें दिव्या बड़ी साजिश को अंजाम देती नजर आ रही हैं।

पूजा वेदी के घर की नाबालिग नौकरानी के साथ थे आदित्य पंचोली के संबंध! एक्ट्रेस ने इंटरव्यू में किए चौंकाने वाले खुलासे

पूजा बेदी अपनी जिंदगी अपनी शर्तों पर जीने के लिए जानी जाती हैं, एक समय था जब उन्हें कॉन्ट्रोवर्शियल क्वीन कहा जाता था। पूजा जिन्होंने अपने जीवन में कई पुरुषों के साथ डेटिंग करने की बात खुले तौर पर स्वीकार की है, वह एक समय बॉलीवुड अभिनेता आदित्य पंचोली के साथ रिश्ते में थीं। पूजा बेदी अपनी जिंदगी अपनी शर्तों पर जीने के लिए जानी जाती हैं, एक समय था जब उन्हें कॉन्ट्रोवर्शियल क्वीन कहा जाता था। पूजा जिन्होंने अपने जीवन में कई पुरुषों के साथ डेटिंग करने की बात खुले तौर पर स्वीकार की है, वह एक समय बॉलीवुड अभिनेता आदित्य पंचोली के साथ रिश्ते में थीं। हां, लेकिन चीजें तब खराब हो गईं जब एक्ट्रेस ने उन पर यौन शोषण का आरोप लगाया। अपने एक इंटरव्यू में पूजा बेदी ने आदित्य पंचोली पर अपनी 15 साल की नौकरानी के साथ मारपीट करने का आरोप लगाया था। पूजा ने खुलासा किया कि वह यह जानकर हैरान थी कि आदित्य उसकी अनुपस्थिति में उसके घर आता था और उसकी नाबालिग नौकरानी को प्यार की झूठी उम्मीद देता था। पूजा ने एक टेबलॉयड को दिए इंटरव्यू में खुलासा किया कि एक दिन अपनी नौकरानी के शरीर पर चोट के निशान देखने के बाद उन्होंने उससे इसके बारे में पूछा, जिस पर उसने कबूल किया कि यह आदित्य है। पूजा ने आदित्य

को अब तक का सबसे घृणित आदमी बताया क्योंकि वह इस घटना को जानकर हैरान रह गईं। जरीना वहाब चाहती थीं कि आदित्य पंचोली को कुत्ते की मौत मिले चौंकाने वाली सच्चाई जानने के बाद उसने मामले को अपने हाथ में लिया और उसकी पत्नी जरीना वहाब को इसकी जानकारी दी। दावा किया गया कि जरीना भी यह जानकर हैरान रह गई और उसने उसे कुत्ते की मौत का श्राप दे दिया। रिपोर्ट के मुताबिक, पूजा ने आदित्य पंचोली के खिलाफ मामला भी दर्ज कराया था, बाद में नौकरानी ने दावा किया कि उनका रिश्ता सहमति से बना था।

विजडम इण्डिया
R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार 12 मई 2024
sheelshukla100@gmail.com

सिधुवा में शाइन एकेडमी पर हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मदर्स डे

छात्र-छात्राओं के साथ उनकी प्यारी माताएं भी रहीं मौजूद

रामपुर कारखाना देवरिया। स्थानीय डुमरी के सिधुवा स्थिति शाइन एकेडमी पर हर्षोल्लास के साथ मदर्स डे मनाया गया जहां विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपने–अपने मम्मी के साथ विद्यालय में उपस्थित हुए। सभी माताओं के चेहरे पर गर्व की अनिभुति थीं। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य अभिनीत सिंह ने कहा कि वैसे तो मदर्स डे मनाने की परंपरा अमेरिका में 1914 से मई के दूसरे रविवार को अमेरिका के तात्कालिक राष्ट्रपति वुडरो विल्सन ने प्रारंभ की थी। लेकिन आज पूरे विश्व में मनाया जाता है। माँ वह है जो अपने भीगी बिस्तर पर सोकर अपने बच्चों को सूखे बिस्तर पर सुलाती है। माता के सम्मान में मदर्स डे मनाते हैं इसीलिए कहा जाता है कि जीवन की उड़ान भरने के लिए प्रथम गुरु माता ही होती हैं। माँ हमें जिंदगी देने के साथ–साथ जीवन भर प्यार और सीख देती हैं। आज हम जो कुछ भी बन जाएं उसके पीछे माता की अहम भूमिका होती है। हमारे इन माताओं के त्याग के लिए सिर्फ एक दिन तो कुछ नहीं है हर आदमी के दिमाग में माता के प्रति श्रद्धा स्नेह के साथ प्रत्येक दिन मदर्स डे होना चाहिए। माताएं जिंदगी का हर पल अपने बच्चों पर न्योछावर कर देती हैं। माना जाता है कि मातृ दिवस मनाने वाले प्राचीन यूनानी और रोम वाले इसे त्यौहार के रूप में मनाते हैं। जिसमें मातृ देवी की पूजा किया जाता है। वास्तव में मां के लिए जितना भी सेवा किया जाए वह कम है। मां ही है जो अपने बच्चों के लिए शेरनी की तरह दूसरों से लड़ जायेंगी जरूरत पड़ने पर कान भी मरोड़ेंगी, अपने भूखे सो जायेंगी लेकिन अपने बच्चों को कभी भी भूखे नहीं सोने देंगी। मां के अपने बच्चों के प्रति स्नेह और

सुरक्षा केवल मनुष्यों में ही नहीं वरन पशु पक्षियों में भी बहुत देखा जाता है, जो क्षमता कम होने पर भी अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए दूसरों से लोहा ले लेती हैं। आइए हम माँ के प्रति श्रद्धा और स्नेह रखने के लिए संकल्पित हो जाएं। उक्त अवसर पर विद्यालय के छात्र एवं छात्राओं में हिमांशु, प्रांजल, हार्दिक, आयुष, जयसिंह, निकिता, आराध्या, दीपक आदि ने अपने– अपने मम्मी का चरण स्पर्श कर संकल्प लिया। विद्यालय के अध्यापकध्अध यापिकायें दिलीप यादव, अभिषेक मिश्रा, जागृति, सरिता, प्रदीप, रंजीत, रितु आदि विशेष रूप से उपस्थित रहे। वहीं विद्यालय के निदेशक वकील सिंह ने मदर्स डे पर पूरे विद्यालय परिवार को शुभकामनाएं दीं।

मतदान केन्द्रों पर सुविधाएं उपलब्ध कराये जाने के सम्बन्ध में सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ हुयी बैठक

सोनभद्र (आरएनएस)। जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी चन्द्र विजय सिंह के निर्देशन में शनिवार को कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी(वि0ध्रा0)ध्उप जिला निर्वाचन अधिकारी सहदेव कुमार मिश्र की अध्यक्षता में मतदान केन्द्रों पर आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होने के सम्बन्ध में सेक्टर मजिस्ट्रेटों के साथ बैठक की गयी, अपर जिलाधिकारी ने मतदान केन्द्रों पर उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की। अपर जिलाधिकारी ने सम्बन्धित को निर्देशित करते हुए कहा कि मतदान बूथ वाले विद्यालयों में आवागमन के दृष्टिगत रास्तों को ठीक करा लिया जाये, ताकि मतदाताओं के साथ ही वाहनों के आने–जाने में किसी प्रकार की समस्या न होने पाये, बूथों पर पीने के पानी की व्यवस्था, शौचालय, फर्नीचर आदि व्यवस्थाओं को मतदान दिवस के पहले ही सुचारू रूप से पूर्ण करा लिया जाये, इस कार्य में सम्बन्धित विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए पूरी क्षमता के साथ लगकर निर्वाचन से जुड़े कार्यों को समय से पूरा कर लें, जिससे लोक सभा सामान्य निर्वाचन, 2024 को सकुशल, निष्पक्ष व पारदर्शिता के साथ सम्पन्न कराया जाये सके और इसमें किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये। बैठक के दौरान उन्होंने निर्वाचन कार्य को सम्पन्न कराने हेतु सम्बन्धित अधिकारी को सौपें गये कार्यों के प्रगति की बारी–बारी से बिन्दुवार समीक्षा की और सम्बन्धितों को आवश्यक दिशा–निर्देश देने के साथ ही मतदान दिवस के पहले ही अपनी पूरी तैयारी पूर्ण करने के निर्देश दियें। इस दौरान स्कूलों में स्थापित बूथों पर विद्युत व्यवस्था, शौचालय, रैम्प आदि व्यवस्था पूर्ण कर ली गयी है, के सम्बन्ध में प्रमाण–पत्र प्राप्त करने के निर्देश भी दियें, ताकि मतदान दिवस के दिन मतदाताओं व कार्मिकों को अव्यवस्था का सामना न करना पड़ें। उन्होंने मतदान बूथों तक खराब सड़क को तत्काल मरम्मत कराने के निर्देश सम्बन्धितों को दियें, इसी प्रकार से मतदान केन्द्रों पर विद्युत व्यवस्था सुव्यवस्थित रहें, इसके लिए एक्सीयन विद्युत विभाग को उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि खराब पड़े ट्रांसफार्मरों को जल्द ही बदलवा दिया जाये और विद्युत व्यवस्था को ठीक कर लिया। इस मौके पर अपर पुलिस अधीक्षक त्रिभुवन नाथ त्रिपाठी, उप जिलाधिकारी घोरावल राजेश सिंह, सहायक निर्वाचन अधिकारी जगरूप सिंह पटेल, तहसीलदार सदर सुशील कुमार, डी0सी0 मनरेगा रमेश यादव, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी नवीन कुमार पाठक, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, निर्वाचन कार्यालय के सुनील कुमार श्रीवास्तव, राजकुमार सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

एनटीपीसी रिहंद में बालिका सशक्तिकरण अभियान 2024–आधारभूत सर्वेक्षण का आयोजन

बीजपुर(सोनभद्र) (आरएनएस)। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी एनटीपीसी रिहंद में बालिका सशक्तिकरण अभियान 2024 का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम के पहले चरण में शुक्रवार को आधारभूत सर्वेक्षण का आयोजन किया गया। जिसमें आस–पास के सरकारी विद्यालयों से आई बालिकाओं बौद्धिक स्तर का परीक्षण कर बच्चियों को चयनित किया गया है। बालिका सशक्तिकरण अभियान (जेम) के लिए दैनिक पाठ्यक्रम की सूची तैयार की जाएगी। एनटीपीसी रिहंद गर्मी की छुट्टियों के दौरान कक्षा 5वीं की बालिकाओं के लिए एक महीने की जेम कार्यशाला के माध्यम से उन्हें उनके सर्वांगीण उत्थान और विकास के लिए एक मंच प्रदान करता है। एनटीपीसी ने 2018 में बालिका सशक्तिकरण अभियान (जेम) के अंतर्गत बालिकाओं के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए एक माह के प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया था। इसके तहत एनटीपीसी नैगम सामाजिक दायित्व के माध्यम से वीएसआर (विंध्याचल, सिंगरौली, रिहंद) की परियोजनाओं में बालिका सशक्तिकरण अभियान को पाइलेट प्रोजेक्ट के तौर पर शुरू किया गया। 2019 में नैगम सामाजिक दायित्व के तहत एनटीपीसी की सभी परियोजनाओंध्स्टेशनों में इस कार्यक्रम को भारी उत्साह के साथ आयोजित करवाया गया। एनटीपीसी के जेम अभियान से अब तक कुल 7,424 बालिकाओं को लाभ हुआ है, तरह एनटीपीसी रिहंद में जेम से 480 बालिकाओं को लाभ हुआ है।

एनटीपीसी रिहंद केवल बालिका सशक्तिकरण अभियान तक ही सीमित नही है बल्कि बच्चियों के मूल्याकन के परिणाम एवं शिक्षा के प्रति रुचि को ध्यान में रखते हुये साल 2023 में 10 श्रेष्ठ बच्चियों को परियोजना के डीएवी स्कूल में प्रवेश दिलाकर उनकी अन्य आवश्यकताओं की भी पूर्ति की जा रही है। जैसे व्यक्तित्व विकास, संचार कौशल, आत्मरक्षा प्रशिक्षण, कौशल विकास की ट्रेनिंग भी दी जाती है। इसके अलावा अन्य दैनिक जीवन उपयोगी प्रशिक्षण जैसे– योगा, खेल–कूद, गुड टच एवं बैड टच आदि का ज्ञान प्रदान करते हुये उन्हे जीवन के हर परिस्थिति में जीवन जीने की कला को भी सिखाने का प्रयास किया जाता है।एनटीपीसी रिहंद का लक्ष्य इन बालिकाओं को आवश्यक उपकरणों से लैस करके और उन्हें हर वक्त मदद मुहैया कराते हुए आने वाली पीढ़ियों के लिए उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करना है। इसका उद्देश्य बालिकाओं को बदलाव का वाहक बनने के लिए सशक्त बनाना है, जिससे वे न केवल खुद को बल्कि अपने परिवार, समुदाय और पूरे देश को भी प्रेरित कर सकें।

श्री राम दरबार स्थापना दिवस पर हुआ सुंदरकांड पाठ

सोनभद्र (आरएनएस)। जनपद मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज के श्री गायत्री प्रज्ञा पीठ मार्ग पर स्थित अक्षय तृतीया पर्व पर अखिल भारतीय विश्व गायत्री परिवार सोनभद्र के तत्वाधान में श्री राम दरबार–श्री हनुमान मंदिर परिसर में श्री राम दरबार मंदिर मे मूर्ति के चौथे स्थापना वर्ष के अवसर पर मंदिर परिसर को पुष्प से सजाया गया, श्री राम दरबार, श्री हनुमान जी एवं माता गायत्री का भव्य श्रृंगार, आरती, पूजन के साथ ही सुंदरकांड पाठ और भजन कीर्तन भक्तगणों ने किया। देर रात तक चले भंडारे में लोगों ने प्रसाद लिया। अखिल भारतीय विश्व गायत्री परिवार से जुड़ी साहित्यकार प्रतिभा देवी ने बताया कि–'अक्षय' शब्द का अर्थ स्वयं 'अविनाशी' या 'अमर'

होता है। यह इस विश्वास को दर्शाता है कि इस दिन किए गए किसी भी कार्य को असीम सफलता और सौभाग्य का आशीर्वाद प्राप्त होता है। हिंदू पंचांग के अनुसार, वैशाख माह के तृतीया तिथि को अक्षय तृतीया कहा जाता है, इस दिन बिना पंचांग देखे किसी भी प्रकार के मांगलिक और शुभ कार्य को किया जा सकता है। आज के दिन सोना खरीदने की परंपरा प्राचीन काल से चली आ रही है।इस अवसर पर कल्चर मैपिंग योजना के डिस्ट्रिक्ट कोऑर्डिनेटर दीपक कुमार केसरवानी, राम कथा वाचक साध्वी सरिता गिरी,अखिल भारतीय विश्व गायत्री परिवार के राजकुमार श्तरुणश, प्रदीप कुमार गुप्ता श्बालाजी, अरविंद कुमार सिंह, गोविंद उमर, कन्हैया पांडे, दिलीप चौबे, अरविंद तिवारी, आलोक त्रिपाठी, मनोज पांडे, जयप्रकाश जायसवाल, ओम प्रकाश जायसवाल, विजय सिंह, श्याम सिंह, रामदेव, बच्चा चौबे, राजेश ओझा, सत्येंद्र दुबे, राजमणि पाठक, सुमन केसरी, रानी गुप्ता, सरिता जायसवाल, नीता सिंह, गीता देवी,

नीलू, मुस्कान, पुष्पा, गीता गुप्ता, तारा देवी,वर्षा, शकुंतला, कलावती आदि पूजन, आरती, सुंदरकांड पाठ में शामिल रही।

निलगायों का कहर, फसल हो रही बर्वाद,किसान परेशान

करमाध्सोनभद्र (आरएनएस)। स्थानीय क्षेत्र अंतर्गत कई गांव में नीलगायों के झुंड से किसानों की फसले बर्बाद हो रही है। किसान अपनी फसल को बचाने के लिए रात में भी खेतों की निगरानी कर रहे हैं। किसानों ने वन विभाग के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराया है। बता दे कि करमा थाना क्षेत्र के विभिन्न गांव जवाही ,पटेहरा, पटेला, भरुहा, दिलाही, ऐलाही, सहित अन्य आस पास के गांव में नीलगायों के झुंड से किसानो की खेती बर्बाद हो रही है चाहे धान की खेती हो चाहे गेहूं की खेती हो सब्जी की खेती हो किसी भी प्रकार की खेती में नीलगायों का झुंड पहुंचकर छति पहुँचा रहे हैं। किसान बड़ी लागत लगाकर रात दिन मेहनत कर अपनी फसलों को तैयार कर रहे हैं। वही तैयार होने पर नीलगायों का झुंड पहुंच जाता है। कुछ खाते हैं कुछ नुकसान करते हैं। बर्वाद होती खेती देख किसान हैरान है। चाह कर भी कुछ नहीं कर पा रहे हैं। झुंड में कुछ ऐसे भी बड़े उम्र दराज के नीलगाय हैं कि जब कोई किसान उनके समीप में जाकर लाठी डंडे के सहारे भगाने का प्रयास करते है तो लोगो को मारने के लिए भी दौड़ा लेते हैं ।अपनी फसलों को बचाने के लिए किसान परेशान है। हालांकि इस समय गेहूं की फसल कट चुकी है जो नुकसान होना था हो चुका है। अब किसानो द्वारा की सब्जी की खेती है। जिसमे खीरा, नेनुआ, भिंडी, करेला, बोरा, लौकी, परवर, ककड़ी,है जिसपर निलगायो का झुंड पहुंचकर नुकसान कर रहे। किसान पारस मौर्य, हरिहर मौर्य, अरविंद सिंह, अजीत तिवारी, रामभरोस, कन्हैया लाल, रामनरेश, पप्पू, भुवनेश्वर सिंह, ज्ञान प्रकाश मौर्य, आदि लोगों ने वन विभाग के अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए वन्य जियो पर नियंत्रण करने हेतु उचित कदम उठाने की मांग की है।

सड़क निर्माण में घोर धांधली एवं अनियमित्ता

सोनभद्र (आरएनएस)। स्थानीय पूरब मोहाल हमीद नगर स्थित छोटी मस्जिद से लेकर कचहरी तिराहे तक पी0डब्लू0डी0 द्वारा कराये जा रहे सड़क निर्माण के काम में घोर धाधली, अनियमिता एवं भ्रष्टाचार का मामला प्रकाश में आया है। बताते है कि उक्त सड़क निर्माण में मानक के अनुरूप कार्य न करा कर केवल पतली लेयर के साथ चमकाया जा रहा है। यहां तक कि डामर और गिट्टी का इस्तेमाल भी बहुत कम मात्रा में किया जा रहा है। जिसके चलते यह सड़क बरसात के दिनों में बहुत जल्द उखड़ने की सम्भावना है। ज्ञातव्य हो कि कुछ घरों के सामने तो पूरी सड़क न बनाकर अधूरी सड़क छोड़ कर आगे की सड़क बना दिया गया है। सड़क बनाते समय न तो कोई ठेकेदार मौके पर दिखायी देता है और न ही विभाग का कोई अधिकारीध्कर्मचारी जिससे स्थानीय जनता अपनी बात या शिकायत कर सके। उक्त घटिया सड़क निर्माण को लेकर स्थानीय रहवासियों में खासा रोष व्याप्त है। स्थानीय लोगों ने पी0डब्लू0डी0 द्वारा कराये जा रहे उक्त सड़क निर्माण की जांच कराकर कर उचित कार्यवाही की मांग जिलाधिकारी से की है।

स्वच्छता अभियान के ब्रांड एंबेसडर बने ग्रीन गुरु

मीरजापुर (आरएनएस)। अनोखे ढंग से लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति प्रेरित करने वाले ग्रीन गुरु को स्वच्छता अभियान का ब्रांड एंबेसडर घोषित किया गया है। जिन्होंने जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन से मिलकर पौधारोपण की प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उन्हें फुटबॉल लिली का पौधा भेंट किया है।स्वच्छ भारत मिशन (नगरीय) के अन्तर्गत मीरजापुर शहर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने तथा स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के अन्तर्गत स्वच्छता की अलख घर–घर जलाने हेतु अनिल कुमार सिंह ग्रीन गुरु तदर्थ प्रधानाचार्य शान्ति निकेतन इण्टर कॉलेज, पचोखरा को स्वच्छता का ब्रांड अम्बेसडर तथा स्वच्छता के ध वजारोहक के रूप में नगर पालिका परिषद मीरजापुर द्वारा नामित किया गया है। ग्रीन गुरु ने इस दायित्व के लिए नगर पालिका अध्यक्ष श्याम सुन्दर केशरी व ईओ नगर पालिका जी लाल के साथ सभी लोगों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वच्छ भारत मिशन नगरीय के अन्तर्गत घर–घर सूखा–गीला कूड़ा पृथक्करण करना, घर में कम्पोस्टिंग करना, घर में बागवानी करना, बच्चों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना, स्वच्छता सम्बन्धी सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेना, व्यापारिक एवं अन्य संगठनों से जुड़कर स्वच्छता के बारे में जागरूक करने के साथ ही साथ भारत सरकार के स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 के मानकों के अनुरूप मीरजापुर नगर को उच्च पायदान पर ले जाने में अपना पूर्ण सहयोग पूरी निष्ठा के साथ देने का प्रयास करूंगा। साथ ही मेरा आंगन मेरी हरियाली के थींम को जन–जन तक पहुंचाऊंगा। इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक अमर नाथ सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, अनिल कुमार वर्मा, जिला खेल अधिकारी, भानु प्रसाद, जिला युवकल्याण अधिकारी, दिनेश कुमार, अशोक उपाध्याय, नीलकांत तिवारी, खिलाड़ी व अन्य लोग उपस्थित रहे।

रायबरेली में सन 77 का इतिहास इतिहास दोहराया जाएगा – अर्जुन सिंह चौहान

ऊंचाहाररायबरेली(आरएनएस)।तहसील क्षेत्र में गुजरात सरकार में राजस्व मंत्री रहे वर्तमान विधायक अर्जुन सिंह चौहान ने शनिवार को ऊंचाहार ने पार्टी नेताओं के साथ बैठक करके चुनावी टिप्स दी है । उन्होंने कहा कि रायबरेली में सन 77 का इतिहास दोहराया जाएगा और राहुल गांधी को भारी अंतर से भाजपा हराएगी । भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रांतीय मंत्री अभिलाष कौशल के प्रतिष्ठान के हाल में पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक में उन्होंने कहा कि हमारे पास जनता को बताने के लिए अनगिनत काम है । भाजपा सरकार की विभिन्न योजनाओं से समाज का हर वर्ग लाभान्वित हुआ है । पूरा देश तीसरी बार मोदी सरकार के पक्ष ने खड़ा होकर प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रहा है । उन्होंने कहा कि रायबरेली आकर पता चला कि सोनिया गांधी पिछला चुनाव जीतने के बाद अपना प्रमाण पत्र तक लेने रायबरेली नहीं आई । पांच साल बाद अपने बेटे के नामांकन में आई है । ये रायबरेली की जनता का अपमान है , तिरस्कार है । इस चुनाव में रायबरेली का मतदाता अपने अपमान का बदला लेने जा रहा है और जिस तरह सन 77 में इंदिरा गांधी को रायबरेली ने हराया था , उसी तरह अबकी बार उनके पोते राहुल गांधी को रायबरेली की जनता हराने जा रही है । कार्यक्रम में अभिलाष चंद कौशल क्षेत्रीय मंत्री भाजपा ओबीसी मोर्चा ,भाजपा नेता ओम प्रकाश साहू, अल्पसंख्यक मोर्चा के मंडल अध्यक्ष सैफ मेहंदी, क्षेत्र पंचायत सदस्य सुनील जायसवाल, प्रवासी राघव पटेल जी आदि लोग रहे

राहुल और अखिलेश की जोड़ी फिर होगी जीरो–बृजेश पाठक

रायबरेली(आरएनएस)।उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने शनिवार को भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह के समर्थन में रिफॉर्म क्लब में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में कांग्रेस पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि रायबरेली में इस बार कांग्रेस को सबक सिखाया जाएगा।उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने रायबरेली को पर्यटन स्थल बना रखा है। उसे देश की संस्कृति और विरासत से कोई मतलब नहीं है। राहुल गांधी और अखिलेश यादव की जोड़ी भी इस बार जीरो हो जाएगी।ब्रजेश पाठक शहर के रिफॉर्म क्लब में भाजपा प्रत्याशी दिनेश सिंह के पक्ष में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन को सम्बोधित कर रहे थे। इसके पहले उन्होंने चूरूवा बॉर्डर स्थित पीपलेश्वर हनुमान मंदिर में पूजन किया।उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि जब मैं रायबरेली से भाजपा के लोकसभा उम्मीदवार दिनेश प्रताप सिंह के नामांकन में आया था और मैंने रायबरेली में जो अपार जन समूह उस समय देखा, तभी मुझे यह विश्वास हो गया कि इस बार रायबरेली की जनता रायबरेली को अपनी जागीर समझने वाली कांग्रेस को नकार देगी और अमेठी की तरह ही राहुल गांधी को यहां से भी हराकर रायबरेली से भेजेगी।

डिप्टी सीएम ने चुरुवा हनुमान मंदिर पर टेका माथा

बछरावां,रायबरेली(आरएनएस)।शनिवार को लोकसभा चुनाव मद्देनजर रखते हुए डिप्टी सीएम बृजेश पाठक एक दिवसीय दौरे पर भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह के समर्थन में आयोजित प्रबुद्ध वर्ग सम्मेलन मे शिरकत करने रायबरेली पहुंचे । उन्होंने जनपद के सिंहद्वार पर स्थित पीपलेश्वर चुरूवा हनुमान मंदिर में हनुमान जी के आगे माथा टेका । इस मौके पर उन्होंने कहा कि जब मैं रायबरेली से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह के नामांकन में आया था । और मैंने रायबरेली में जो अपार जन समूह उस समय देखा । तभी मुझे यह विश्वास हो गया । कि इस बार रायबरेली की जनता रायबरेली को अपनी जागीर समझने वाली कांग्रेस पार्टी को नकार देगी । और अमेठी की तरह ही राहुल गांधी को यहां से भी हराकर भेजेगी ।

रायबरेली और अमेठी बड़े अंतर से जीतेगी कांग्रेस–भूपेश बघेल

रायबरेली(आरएनएस)।कांग्रेस नेता भूपेश बघेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी नेता स्मृति ईरानी ने राहुल गांधी का विरोध करके अपनी पहचान बनाई है लेकिन इस बार वह अमेठी में ऐसा नहीं कर पाएंगी और उन्हें हार का सामना करना पड़ेगा। बघेल ने विश्वास जताया कि उनकी पार्टी लोकसभा चुनाव में उत्तर प्रदेश में अमेठी और रायबरेली दोनों सीटों पर बड़े अंतर से जीत हासिल करेगी।

आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के सेवानिवृत्ति के बाद नहीं हुई नई तैनाती

लालगंज, मीरजापुर (आरएनएस)। जैसे–तैसे लालगंज विकासखंड के 125 आंगनबाड़ी केंद्रों का संचालन किया जा रहा है। क्योंकि 42 केंद्र का पद रिक्त चल रहा है। इसके चलते 19253 नौनिहालों का भविष्य अधर में फंसा हुआ है। उपरौध क्षेत्र के लालगंज विकासखंड आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के सेवानिवृत्ति के बाद 125 केंद्रों के नौनिहाल भाग्य भरोसे भविष्य को संवारने का कार्य किया जा रहा है। वह भी तब जब कहने को छूटे हुए बच्चों को आंगनबाड़ी केदो पर दाखिला दिलाया जाता है। जिसके लिए आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां घर–घर जाकर ऐसे बच्चों को संवारने का कार्य करती है। यह सजाकता घोड़ा बनकर केंद्रों पर दौड़ रहा है। सच्चाई तो यह है कि 42 केंद्र ऐसे हैं जहां की आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां सेवानिवृत हो चुकी है। उन सभी केदो पर नई नियुक्ति नहीं की गई है। जिस पद रिक्त चल रहा है और प्रभारी बगल के केंद्र के कार्यकत्री को बनाकर जैसे तैसे खानापूर्ति का कार्य किया जा रहा है। यह हाल पिछले लगातार तीन चार पांच वर्षों से चल रहा है। बता दे की सेवानिवृत्ति एक संवैधानिक प्रक्रिया है लेकिन व्यवस्था बनाए रखना भी एक संवैधानिक प्रक्रिया है। इसमें तालमेल के अभाव के चलते कोई नियुक्ति नहीं की गई है। ग्रामीण मनीता देवी कहती है कि यह समस्या प्रशासनिक है लेकिन बच्चों का क्या दोष है। केंद्रो पर बच्चों को दी जाने वाली व्यवस्था का जो लाभ उन्हें बचपन में मिलना चाहिए वह काम चलाऊ बना दी गई है।भर्रौह,जाहीर मझिगवां, लालापुर, बस्तरा पांडे,धसड़ा राजा आदि 42 गांव शामिल है। जहां प्रभारी कार्यरत हैं। इस संबंध में सीडीपीओ अरुण लता सिंह ने बताया कि 42 केदो पर प्रभारी द्वारा व्यवस्था का संचालन किया जा रहा है। जिसकी देखरेख समुचित रूप से की जा रही है।

छत के ऊपर खेल रहे किशोर पर बंदर ने किया हमला

बछरावां,रायबरेली(आरएनएस)।शनिवार सुबह रामपुर सुदौली में छत के ऊपर खेल रहे किशोर के ऊपर एक बंदर ने हमला कर दिया। हमले में किशोर के सिर पर गंभीर चोट आ गई। जिसे इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। निहाल पुत्र मुकेश उम्र 12 वर्ष छत के ऊपर खेल रहा था। अचानक एक बंदर छत के ऊपर पहुंच गया। बंदर उछलकर किशोर के सिर के ऊपर बैठ गया। किशोर जब तक कुछ समझ पाता, तब तक उसके सिर पर बंदर ने मुंह से काट लिया। किशोर की चीख पुकार सुनकर परिजन छत के ऊपर जब तक दौड़ते, तब तक बंदर काट कर फरार हो चुका था। सिर पर अधिक घाव हो जाने के कारण, परिजन आनन–फानन एंबुलेंस से सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां किशोर का प्राथमिक उपचार किया गया।

कसेरुआ मठ की विवादित 15 सौ बीघा जमीन मामले में लेखपाल ने दर्ज कराया मुकदमा

मड़िहान, मीरजापुर (आरएनएस)। सन्तनगर थाना क्षेत्र के कसेरुआ गांव स्थित मठ की पौने चार सौ हेक्टेयर विवादित जमीन के मामले में हल्का लेखपाल ने एक पक्ष पर धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कराया है। मुन्तजीमकार की दावेदारी के लिए बढ़ते विवाद को देखते हुए यह कार्रवाई उप जिलामजिस्ट्रेट के निर्देश पर कराया गया। कसेरुआ गांव स्थित श्रीमूर्ति श्रीठाकुर मदनमोहनजी के नाम से पन्द्रह सौ सत्रह बीघा जमीन है। मुन्तजिमकार महंत नरायनदास चेला महंत केशवदास रहे।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया
स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
सम्पादक–शील कुमार शुक्ला
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।